विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, शुक्रवार, 3 अप्रैल 2026 | वर्ष- 11 | अंक- 113 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

ज्ञानामृत

दूब की तरह छोटे बनकर रहो।
जब घास-पात जल जाते हैं तब भी
दूब जस की तस बनी रहती है।

▶▶ गुरु नानक

न्यूज इन शॉर्ट

शेयर बाजार में राहत... 1,773 अंक चढ़कर बंद हुआ सेंसेक्स

मुंबई, एजेंसी। सेंसेक्स गुरुवार यानी 2 अप्रैल को अपने दिन के निचले स्तर से 1,773 अंक चढ़कर बंद हुआ। सुबह ये भारी दबाव के साथ खुला और गिरकर 71,545 के स्तर तक आ गया था। बाद में बाजार में खरीदारी आई और यह

185 अंक (0.25%) चढ़कर 73,320 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 22,182 का निचला स्तर बनाने के बाद 531 अंकों की रिकवरी दिखी। ये 34 अंक (0.15%) चढ़कर 22,713 के स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार में निफ्टी के आईटी और रियल्टी इंडेक्स सबसे ज्यादा चढ़ें। इसमें 2.62% और 1.18% की तेजी रही। साउथ कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 4.47% गिरकर 5,234 पर बंद हुआ। जापान का निक्केई इंडेक्स 2.38% गिरकर 52,463 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.70% गिरकर 25,116 पर बंद हुआ।

वीजा सख्ती का असरः अमेरिका में 6.9% कम हुए भारतीय स्टूडेंट्स

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्रालय ने संसद में जानकारी दी है कि अमेरिका में पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्रों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। फरवरी 2026 तक यह संख्या घटकर 3,52,644 रह गई, जो फरवरी 2025 के 3,78,787

के मुकाबले करीब 6.9 प्रतिशत कम है। यह आंकड़े अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के SEVIS डेटा पर आधारित हैं। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने बताया कि वीजा जांच और नियमों में सख्ती इसका मुख्य कारण है। अमेरिका ने जून 2025 में नई वीजा गाइडलाइन लागू की थी, जिसमें वीजा को "अधिकार नहीं, बल्कि विशेषाधिकार" बताया गया। अब हर आवेदन को राष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिए से जांचा जाता है। साथ ही, आवेदकों की सोशल मीडिया गतिविधियों की भी जांच अनिवार्य कर दी गई है और प्रोफाइल पब्लिक रखना जरूरी है।

हनी सिंह-बादशाह को अश्लील गाने पर हाई कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को सिंगर हनी सिंह और बादशाह के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने उनके करीब दो दशक पुराने विवादित गाने 'माफिया मुंडीर' वॉल्यूम 1 को इंटरनेट के सभी प्लेटफॉर्म से

तुरंत हटाने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने इस गाने के बोल को 'बेहद अश्लील' और महिलाओं के प्रति अपमानजनक बताया है। जस्टिस पुरुषेंद्र कौरव की अदालत ने हनी सिंह और बादशाह को नोटिस जारी कर कड़ा निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि गाने का टाइटल और बोल इतने आपत्तिजनक हैं कि उन्हें आधिकारिक आदेश में लिखना भी संभव नहीं है। अदालत ने निर्देश दिया कि गूगल, यूट्यूब और स्पॉटिफाई जैसे सभी म्यूजिक और वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म से इस गाने के ओरिजिनल वर्जन, रीमिक्स और यूआरएल को तुरंत ब्लॉक किया जाए।

ईरानी दूतावास के द्वारा जुटाया गया चंदा, सीधे ईरान भेजना संभव नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में ईरान का दूतावास हाल ही में युद्ध राहत के लिए चंदा जुटा रहा था, लेकिन अब पैसे को सीधे ईरान भेजना संभव नहीं है। इसकारण ईरानी दूतावास ने तय किया है कि दान की गई राशि का इस्तेमाल भारत में

ही दवाएं खरीदने में होगा। राजनयिक और बैंकिंग नियमों के तहत विदेशी मिशनों को नकद या अनौपचारिक माध्यम से धन भेजने की अनुमति नहीं है, इसलिए सभी योगदान केवल निर्धारित बैंक खाते के जरिए स्वीकार किए जा रहे हैं। शुरुआत में ईरानी दूतावास ने अपने मुख्य बैंक खाते के माध्यम से चंदा इकट्ठा किया, लेकिन बाद में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष खाता खोला गया। 15 मार्च को नकद दान का विकल्प दिया था। लेकिन बाद में पूरी तरह औपचारिक प्रक्रिया में बदल दिया गया।

मुख्यमंत्री ने भाजपा विधायाकों की नामांकन रैली में किया ममता सरकार पर हमला, चुनाव को बताया निर्णायक लड़ाई

यह चुनाव नहीं धर्म युद्ध है, बंगाल बदलाव के लिए तैयार : मोहन

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले में भाजपा उम्मीदवारों की संयुक्त नामांकन रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ चुनाव नहीं बल्कि 'धर्म युद्ध' है और बंगाल की जनता अब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री सलतोरा, छतना, बांकुरा, बरजोरा और ओंडा विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के नामांकन में शामिल हुए और कार्यकर्ताओं में उत्साह भरते हुए भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल की यह पावन धरती सुभाष चंद्र बोस, स्वामी विवेकानंद और रवींद्रनाथ टैगोर जैसे महापुरुषों की रही है, लेकिन आज यहां की स्थिति चिंताजनक हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता सरकार के शासनकाल में आम जनता परेशान है और राज्य में अव्यवस्था का माहौल बन गया है। डॉ. यादव ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को बढ़ावा दिया गया है, जिससे स्थानीय लोगों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल का युवा रोजगार के लिए पलायन कर रहा है, जबकि बाहरी लोग यहां संसाधनों पर कब्जा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि बंगाल में अब बांग्लादेशियों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि देश तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति मजबूत हुई है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की नीतियों के कारण गरीबों को मकान, राशन और रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

बंगाल में भाजपा भारी बहुमत से जीतेगी विधानसभा चुनाव

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि बंगाल की जनता भाजपा को ऐतिहासिक बहुमत दिलाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि देश के 21 से अधिक राज्यों में भाजपा या उसके सहयोगी दलों की सरकार है और अब बंगाल भी इस परिवर्तन का हिस्सा बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में "सबका साथ, सबका विकास" का मंत्र ही देश को आगे बढ़ा रहा है और बंगाल की जनता भी इसी विकास की राह चुनने जा रही है।

ममता सरकार बंगाली समाज के अधिकारों को कमजोर कर रही हैः मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ममता सरकार बंगाली समाज के अधिकारों को कमजोर कर रही है और वोट बैंक की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि यह चुनाव सामान्य चुनाव नहीं बल्कि धर्म युद्ध बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल का युवा, किसान, महिला और गरीब अब अपनी पहचान और सम्मान के लिए खड़ा हो गया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पूरी ताकत के साथ चुनाव में जुट जाएं और भाजपा को विजय दिलाएं।

ममता के राज में सब परेशान

मुख्यमंत्री ने कहा कि ममता बनर्जी के शासनकाल में भ्रष्टाचार और अव्यवस्था बढ़ी है। उन्होंने शिक्षक भर्ती घोटाले, मनरेगा घोटाले और प्रधानमंत्री आवास योजना में अनियमितताओं का उल्लेख करते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि हजारों युवाओं का भविष्य दांव पर लगा और गरीबों को उनका हक नहीं मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जनता इन सभी मुद्दों का जवाब चुनाव के माध्यम से देगी और भाजपा को सत्ता में लाकर बदलाव सुनिश्चित करेगी। मुख्यमंत्री ने अंत में कहा कि अब समय आ गया है कि जनता "हिसाब चुकता" करे और राज्य को विकास की नई दिशा दे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने और एक-एक वोट भाजपा के पक्ष में सुनिश्चित करने की अपील की।

मप्र कर्मचारियों को 3% डीए बढ़ोतरी का तोहफा

58% हुआ महंगाई भत्ता, मई से मिलेगा लाभ, एरियर 6 किस्तों में

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार ने प्रदेश के करीब 12 लाख कर्मचारियों और पेंशनर्स को बड़ा राहत भरा तोहफा दिया है। सरकार ने 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) बढ़ाने का आदेश जारी कर दिया है। इसके साथ ही कर्मचारियों का डीए 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत कर दिया गया है।

बढ़ी हुई राशि कर्मचारियों को अप्रैल के वेतन के साथ मई में मिलेगी, जबकि पेंशनर्स को यह लाभ 1 जनवरी 2026 से प्रभावी माना जाएगा। सरकार ने जुलाई 2025 से मार्च 2026 तक के एरियर का भी भुगतान करने का निर्णय लिया है, हालांकि यह राशि एकमुश्त न देकर 6 किस्तों में दी जाएगी। ये किस्तें मई से अक्टूबर तक जारी होंगी। इस बढ़ोतरी का सीधा असर कर्मचारियों की सैलरी पर

पड़ेगा। हर महीने वेतन में करीब 465 रुपए से लेकर 4,230 रुपए तक की बढ़ोतरी होगी। वहीं एरियर के रूप में 4,185 रुपए से 38,070 रुपए तक मिलने का अनुमान है।

प्रदेश में लगभग 7.50 लाख कर्मचारी-अधिकारी और 4.50 लाख पेंशनर्स इस फैसले से लाभान्वित होंगे। हालांकि इस निर्णय से राज्य सरकार पर करीब 2,450 करोड़ रुपए का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ेगा। सरकार के इस फैसले को महंगाई के दौर में कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है।

बजट सत्र के दूसरे चरण की तैयारी

16 अप्रैल से फिर शुरू होगा संसद का बजट सत्र, महिला आरक्षण पर आएगा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद का बजट सत्र 13 दिन के अवकाश के बाद 16 अप्रैल से दोबारा शुरू होगा। सरकार ने यह निर्णय महिला आरक्षण कानून को लागू करने और लोकसभा सीटों के विस्तार से जुड़े अहम विधेयकों को पारित कराने के उद्देश्य से लिया है। 16, 17 और 18 अप्रैल को सदन में इस विषय पर व्यापक चर्चा की जाएगी। प्रस्ताव के अनुसार लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने की योजना है। इसमें से लगभग एक तिहाई यानी 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। सरकार चाहती है कि महिला आरक्षण को जल्द लागू किया जाए, जिसके लिए परिसीमन प्रक्रिया को तेज करने पर जोर दिया जा रहा है। महिला आरक्षण विधेयक, जिसे 2023 में 'नारी शक्ति वंदन

अधिनियम' के रूप में पारित किया गया था, अभी तक लागू नहीं हुआ है। सरकार अब नई जनगणना का इंतजार किए बिना 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करने का प्रस्ताव ला रही है, ताकि आरक्षण जल्द लागू हो सके। सरकार इन विधेयकों को पास कराने के लिए विपक्षी दलों से समर्थन जुटाने में लगी है। गृहमंत्री अमित शाह ने विभिन्न दलों के नेताओं से इस मुद्दे पर बातचीत की है। इनमें वाईएसआर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, एनसीपी, आरजेडी और एआईएमआईएम सहित अन्य दल शामिल हैं।

दो बिल लाए जाएंगे, एससी-एसटी कोटा भी शामिल

सरकार संसद में दो अहम विधेयक लाएगी। पहला बिल महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़ा होगा, जबकि दूसरा परिसीमन कानून में बदलाव के लिए होगा। प्रस्तावित ढांचे में एससी और एसटी वर्ग की महिलाओं को उनके कोटे के भीतर आरक्षण दिया जाएगा। हालांकि ओबीसी महिलाओं के लिए अलग प्रावधान शामिल नहीं किया गया है। इन विधेयकों को पारित करने के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत जरूरी होगा।

सोना-चांदी में गिरावट जारी जंग के असर से कीमतें टूटीं, 10 ग्राम सोना 1.47 लाख पर

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी तनाव के असर से सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, गुरुवार को 24 कैरेट सोना 4,245 रुपए सस्ता होकर 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। इससे पहले यह 1.51 लाख रुपए था। वहीं चांदी की कीमत में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। एक किलो चांदी 12,023 रुपए टूटकर 2.28 लाख रुपए पर पहुंच गई। बीते 34 दिनों में सोना 12,489 रुपए और चांदी 38,887 रुपए तक सस्ती हो चुकी है। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक अस्थिरता के चलते निवेशक नकदी की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे कीमती धातुओं पर दबाव बना है। कीमतों में अंतर के पीछे कई स्थानीय कारण भी होते हैं। ट्रांसपोर्टेशन और सुरक्षा लागत, विभिन्न राज्यों में मांग-सप्लाई का संतुलन, ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा तय दरें और पुराना स्टॉक—ये सभी कारक अलग-अलग शहरों में कीमतों को प्रभावित करते हैं। मौजूदा हालात में बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहने की संभावना जताई जा रही है।

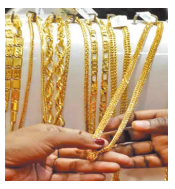

केंद्र ने ट्रैफिक समाधान राज्यों पर छोड़ा

वाहन रजिस्ट्रेशन के लिए पार्किंग का प्रमाण जरूरी नहीं: केंद्र सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि वाहन रजिस्ट्रेशन के लिए पार्किंग का प्रमाण अनिवार्य करने की कोई योजना नहीं है। राज्यसभा में लिखित जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है और न ही इस पर कोई प्रस्ताव विचाराधीन है। यह मुद्दा दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में बढ़ते ट्रैफिक जाम के बीच उठा था, जहां कार खरीद को पार्किंग उपलब्धता से जोड़ने की चर्चा होती रही है। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया कि ट्रैफिक समस्या को केवल वाहन पंजीकरण या पार्किंग हलफनामे से नहीं जोड़ा जा सकता। सरकार के

अनुसार, ट्रैफिक जाम के मुख्य कारण सार्वजनिक परिवहन की कमी, निजी वाहनों की बढ़ती संख्या और कमजोर पार्किंग व्यवस्था हैं। संसद में पेश आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2025 में रजिस्टर्ड 45.86 लाख चार-पहिया वाहनों में से करीब 80% वाहन लोन पर खरीदे गए। इससे साफ है कि ऑटो सेक्टर बैंक और वित्तीय संस्थानों पर काफी निर्भर है। सरकार ने यह भी कहा कि पार्किंग प्रूफ को लेकर बैंकों द्वारा कोई अनिवार्य नियम नहीं है और भविष्य में भी ऐसा कोई निर्देश जारी करने की योजना नहीं है। केंद्र ने स्पष्ट किया कि ट्रैफिक और पार्किंग से जुड़ी समस्याओं का समाधान राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों की जिम्मेदारी है।

राहुल गांधी ने असम के लिए जारी किया कांग्रेस का घोषणापत्र, पार्टी का 11 क्षेत्रों पर फोकस

बोकाजान (असम), एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को असम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। इस घोषणा पत्र में शासन, पहचान और स्वास्थ्य जैसे 11 क्षेत्रों पर फोकस किया गया है। यह घोषणा पत्र एक चुनावी रैली के दौरान जारी किया गया, जिसमें राहुल गांधी के साथ असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई और अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। घोषणा पत्र में कुल 11 संकल्प शामिल हैं- शासन, पहचान, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा विकास, औद्योगीकरण, कृषि, ग्रामीण और शहरी विकास, जलवायु परिवर्तन और सुरक्षित असम। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, असम फूलों का एक गुलदस्ता है, जिसमें अलग-अलग धर्म, जाति और विचारधारा के लोग रहते हैं। कांग्रेस की सोच है- हिंदुस्तान की जनता के हाथ में असली ताकत हो, देश को चलाने में हर वर्ग को भागीदारी मिले। दूसरी तरफ भाजपा की विचारधारा है कि असम को दिल्ली से चलाया जाए- यही लड़ाई चल रही है।

मालदा घटना पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

यह घटना न्यायिक प्रक्रिया को बाधित करने और अधिकारियों का मनोबल गिराने की कोशिश

नई दिल्ली/कोलकाता, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में चुनावी ऑब्जर्वर्स को बंधक बनाए जाने की घटना पर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा कि सात अधिकारियों को करीब नौ घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया, उन्हें खाना-पानी तक नहीं दिया गया, जो गंभीर और सोची-समझी साजिश प्रतीत होती है। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि यह घटना न्यायिक प्रक्रिया को बाधित करने और अधिकारियों का मनोबल गिराने की कोशिश है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने राज्य में कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह स्थिति चिंताजनक है। अदालत ने राज्य के गृह सचिव, डीजीपी और अन्य अधिकारियों से उनकी निष्क्रियता पर जवाब मांगा है। इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंप दी गई है। टीम शुक्रवार को घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू करेगी। घटना बुधवार की है, जब सात चुनावी ऑब्जर्वर मालदा के बीडीओ कार्यालय पहुंचे थे। इसी दौरान वोटर लिस्ट में नाम कटने के विरोध में हजारों लोगों ने कार्यालय को घेर लिया और अधिकारियों को अंदर ही रोक लिया। गुरुवार को भी क्षेत्र में तनाव बना रहा। प्रदर्शनकारियों ने बीएसएफ कैंप के सामने विरोध किया, नेशनल हाईवे-12 जाम किया और टायर जलाकर प्रदर्शन किया।

एआई ट्रेनिंग और कॉपीराइट पर बड़ा कानूनी विवाद

एएनआई बनाम ओपन एआई केस में फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने समाचार एजेंसी एएनआई और ओपन एआई के बीच चल रहे कॉपीराइट विवाद में सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया है। यह मामला इस बात पर केंद्रित है कि क्या एआई मॉडल को ट्रेन करने के लिए इंटरनेट पर उपलब्ध खबरों का उपयोग कॉपीराइट उल्लंघन माना जाएगा या नहीं। एएनआई ने आरोप लगाया है कि ओपन एआई ने उसकी खबरों का उपयोग बिना अनुमति और बिना भुगतान के चैट जीपीटी को ट्रेन करने में किया। एजेंसी का कहना है कि वेब टूल्स के माध्यम से उसका कंटेंट इकट्ठा किया गया और इसे व्यावसायिक उपयोग में लाया गया, जो 'फेयर डीलिंग'

के दायरे में नहीं आता। एएनआई के मुताबिक, यह सीधे तौर पर उसके कॉपीराइट का उल्लंघन है। वहीं ओपन एआई ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उसका सिस्टम केवल इंटरनेट पर उपलब्ध डेटा से पैटर्न सीखता है और किसी भी लेख को शब्दशः कॉपी नहीं करता। कंपनी ने यह भी बताया कि भविष्य की ट्रेनिंग के लिए एएनआई की वेबसाइट को ब्लॉक कर दिया गया है। इस केस का सबसे अहम पहलू भारतीय कानून में 'फेयर डीलिंग' की परिभाषा है। अदालत को यह तय करना है कि एआई मॉडल को ट्रेन करने के लिए कंटेंट का उपयोग किस हद तक वैध माना जा सकता है। यह भारत में एआई और कॉपीराइट कानून से जुड़ा पहला बड़ा मामला माना जा रहा है, जिससे भविष्य के लिए कानूनी दिशा तय होगी।

दो साल में 32 सुनवाई, कई पक्ष हुए शामिल

यह मामला 19 नवंबर 2024 को कोर्ट में आया था और 27 मार्च 2026 तक इस पर 32 बार सुनवाई हो चुकी है। जस्टिस अमित बंसल की पीठ ने सुनवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण कानूनी पहलुओं पर विचार किया। इस दौरान कई मीडिया संस्थानों और संगठनों ने हस्तक्षेप कर अपनी-अपनी राय रखी—कुछ ने एएनआई का समर्थन किया, जबकि कुछ ने ओपन एआई के पक्ष में तर्क दिए। अब अदालत का फैसला यह तय करेगा कि भारत में एआई तकनीक और कॉपीराइट कानून के बीच संतुलन कैसे स्थापित होगा और भविष्य में कंटेंट के उपयोग के क्या नियम होंगे।

होर्मुज पर ब्रिटेन में 60+ देशों की बड़ी बैठक

हमने नाविक खोए, जल्द रुके तनाव: भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की पहल पर करीब 60 से अधिक देशों के विदेश मंत्रियों ने ऑनलाइन तरीके से होर्मुज संकट पर गुरुवार को चर्चा की। सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व विक्रम मिसरी ने किया और अध्यक्षता ब्रिटेन के विदेश मंत्री यवेट कूपर ने की। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य की आंशिक नाकाबंदी के मद्देनजर सुरक्षित समुद्री परिवहन सुनिश्चित करना था।

मिसरी ने वर्चुअल माध्यम से चर्चा में भाग लेते हुए क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय समुद्री परिवहन मार्गों की सुरक्षा पर नई दिल्ली का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने दुनियाभर के देशों के सामने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों पर जहाजों की बेरोकटोक आवाजाही हर देश का हक है। इससे कोई समझौता नहीं हो सकता। विदेश सचिव ने चिंता जताई कि इस पूरे संकट का सीधा असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ रहा है। ब्रिटेन की ओर से बुलाई गई बैठक में सबसे महत्वपूर्ण बात जो भारत ने दुनिया के सामने रखी, वह थी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा।

होर्मुज से जहाजरानी सेवाएं फिर शुरू करना आसान नहीं: स्टार्मर

वहीं, बैठक के बारे में ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा, होर्मुज से जहाजरानी सेवाओं को फिर से शुरू करना आसान नहीं होगा और इसके लिए समुद्री उद्योग साझेदारी के अलावा सैन्य शक्ति और राजनयिक गतिविधियों का एक संयुक्त मोर्चा आवश्यक होगा।

जब तक लड़ाई जारी रहेगी, होर्मुज मार्ग अस्थिर रहेगा: चीन

इस बीच, चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने चेतावनी दी कि होर्मुज जलडमरूमध्य से आवागमन का मुद्दा ईरान युद्ध का ही परिणाम है और जब तक लड़ाई जारी रहेगी, जलडमरूमध्य स्थिर नहीं रहेगा। वांग यी ने सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद से फोन पर बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं, जिसमें उन्होंने शीघ्र युद्धविराम का भी आह्वान किया।

अब ऑस्ट्रिया ने अमेरिका का अपनी एयर स्पेस इस्तेमाल करने से किया मना

यूरोप के कई देशों ने अमेरिका के सैन्य अभियानों से दूरी बनानी शुरू कर दी है। इसमें सबसे नया नाम ऑस्ट्रिया का जुड़ गया है। जिसने ईरान से जुड़े सैन्य ऑपरेशनों के लिए अपने एयरस्पेस के इस्तेमाल की अमेरिकी मांग ठुकरा दी है। ऑस्ट्रिया के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह फैसला देश के सख्त तटस्थता कानून के तहत लिया गया है। मंत्रालय के प्रवक्ता के हवाले से ब्रॉडकास्टर ओआरएफ ने पुष्टि की कि वाशिंगटन की ओर से कई अनुरोध आए थे, लेकिन हर मामले को विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर अलग-अलग आधार पर परखा जाएगा। हालांकि, ऑस्ट्रिया ने पूरी तरह से अमेरिकी उड़ानों पर प्रतिबंध नहीं लगाया है, बल्कि हर अनुरोध की समीक्षा तथ्यों के आधार पर की जा रही है।

प्रधान संपादक- विजय शुक्ला। कार्यालयः भोपाल ■ शहडोल ■ रायपुर ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ मैहर ■ खरगोन ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़

न्यूज इन शॉर्ट

राजधानी के 37 हजार घरों में अंधकार

विजय मत, भोपाल। राजधानी में बिजली कंपनी ने बकाया बिल वसूली को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए 37 हजार घरों और दुकानों के बिजली कनेक्शन काट दिए। इस अभियान के तहत न केवल घरेलू उपभोक्ताओं, बल्कि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर भी सख्ती की गई। लगातार बकाया होने और नोटिस के बावजूद भुगतान नहीं करने पर यह कदम उठाया गया। जानकारी के अनुसार अभियान के दौरान करीब 400 मकानों और दुकानों को कुर्क किया गया, जबकि 350 से अधिक उपभोक्ताओं के बैंक खाते भी सीज किए गए। बिजली कंपनी का दावा है कि इस कार्रवाई से पुराने शहर क्षेत्र से लगभग 30 लाख रुपये की वसूली की गई है। अधिकारियों का कहना है कि लंबे समय से बकाया चल रहा था, जिससे कंपनी को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा था। बिजली विभाग ने बताया कि वसूली अभियान आगे भी जारी रहेगा और रोजाना औसतन 150 से 175 कनेक्शन काटे जा रहे हैं। जिन उपभोक्ताओं ने बकाया राशि जमा कर दी है, उनके कनेक्शन पुनः जोड़ने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि समय पर बिल का भुगतान करें, ताकि असुविधा से बचा जा सके।

आधे कमर्शियल सिलेंडर भी नहीं मिल रहे कारोबारियों को

विजय मत, भोपाल। अमेरिका-ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण देश में तेल और गैस की कमी बनी हुई है। इसके कारण पहले जहां कमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई रोक दी गई थी, वहीं अब सरकार ने इस मांग का 60 प्रतिशत तक जारी करने के आदेश दिए हैं, लेकिन असल में बाजार में सिर्फ 36 प्रतिशत सिलेंडर ही वितरित हो पा रहे हैं। इसका कारण गैस एजेंसियों को ही पर्याप्त स्टॉक ना मिलना है। इसके चलते होटल-रेस्टोरेंट सहित अन्य सभी व्यापारी परेशान हैं। उल्लेखनीय की गैस सप्लाई को नियमित बनाए रखने के लिए शासन ने घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति नहीं रोकी थी, लेकिन शुरुआत में कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति पर पूरी तरह से रोक लगा दी थी। इसके बाद पहले से 10 प्रतिशत, फिर 20, फिर 50 और अब 60 प्रतिशत आपूर्ति करने के आदेश दिए हैं, लेकिन गैस एजेंसियों को ही इतना सप्लाई नहीं मिलने के कारण इसका आधा ही लोगों तक पहुंच पा रहा है। खाद्य आपूर्ति नियंत्रक एमएल मारू ने बताया कि शासन ने अभी मांग के अनुपात में 60 प्रतिशत कमर्शियल सिलेंडरों के वितरण के आदेश दिए हैं।

सिंहस्थ के मद्देनजर उज्जैन में नए बिजली ग्रिड व उच्च दाब लाइनों के कार्य जारी

विजय मत, भोपाल। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर नए बिजली ग्रिडों एवं उच्चदाब लाइनों के कार्य के साथ अन्य जरूरी कार्य प्राथमिकता से साथ करा रही है। इससे सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी। साथ ही उज्जैन, ओंकारेश्वर नगरीय क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं को भी फायदा मिलेगा। उज्जैन में तलाई क्षेत्र में नया 33/11 केवी ग्रिड बनकर बिजली वितरण प्रारंभ किया जा चुका है। वहीं चारधाम, वाल्मीकि धाम में ग्रिड का कार्य तेजी से चल रहा है, नानाखेड़ा में ग्रिड का निर्माण जल्दी प्रारंभ किया जाएगा। उज्जैन शहर में 33 केवी 20 किमी उच्चदाब लाइनों कार्य भी प्रगति पर है। वहीं 150 किमी निम्नदाब केबल स्थापना कार्य किया जा रहा है, शहर में 150 नए ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे हैं। उज्जैन नगरीय क्षेत्र में कुछ स्थानों पर अंडरग्राउंड केबल कार्य भी किया गया है। सिंहस्थ के मद्देजर ओंकारेश्वर में मोरटक्का से 10.50 किमी 33 केवी उच्चदाब लाइन मोरधड़, थापना, कोठी, मुगेशनगर तक स्थापित की गई है। वहीं एसएसटीडी अंतर्गत ओकारेश्वर में सिंहस्थ दृष्टिगत नया 33/11 केवी सब स्टेशन का कार्य किया जा रहा है।

14 से 18 वर्ष तक के बच्चों का खतरनाक उद्योगों एवं प्रक्रियाओं में नियोजन प्रतिबंधित

विजय मत, भोपाल। प्रदेश में 14 वर्ष से 18 वर्ष तक के बच्चों का खतरनाक उद्योगों एवं प्रक्रियाओं में नियोजन प्रतिबंधित है। श्रम विभाग द्वारा श्रम स्टार रेटिंग के तहत बाल श्रम अथवा बंधक श्रम पाये जाने की स्थिति में ज़ीरो टॉलरेंस की नीति के तहत संबंधित संस्थान को शून्य अंक दिये जाने की व्यवस्था की गई है एवं इस संबंध में सभी श्रम अधिकारियों को निर्देश दिये गये है।

भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने गुरूवार को खण्डवा एवं बुरहानपुर जिले में मंडल प्रशिक्षण वर्ग को किया संबोधित

भाजपा कार्यकर्ता सनातन व राष्ट्रवाद के ध्वज वाहक हैं: अजय जामवाल

विजय मत, भोपाल/खण्डवा/बुरहानपुर

भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत गुरूवार को खण्डवा जिले के ओंकारेश्वर मंडल, बुरहानपुर जिले के शाहपुर एवं फोपनर मंडल के प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का लक्ष्य सत्ता प्राप्त करना नहीं है। भाजपा का लक्ष्य हर समाज वर्ग का कल्याण व उत्थान करना है। पार्टी कार्यकर्ताओं को नया सीखने और उनके कौशल को निखारने के लिए प्रशिक्षण वर्ग आवश्यक होता है। पार्टी कार्यकर्ता सनातन और राष्ट्रवाद के ध्वज वाहक हैं। भाजपा संगठन हर समाज वर्ग को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है, यही कारण है कि आज भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचारधारा है। हमें पार्टी के सिद्धांतों के अनुसार काम करते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करना है। अजय जामवाल ने ओंकारेश्वर 'योतिर्लिंग के दर्शन-पूजन कर देश-प्रदेश में खुशहाली और कल्याण की कामना की।

भारत को परम वैभव तक पहुंचाने के लिए पंच से पार्लियामेंट तक भाजपा आवश्यक

भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत को वर्ष 2047 तक परम वैभव तक पहुंचाने के लिए पंच से पार्लियामेंट तक भाजपा के कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति आवश्यक है। आप सभी पार्टी कार्यकर्ता सनातन और राष्ट्रवाद के ध्वज वाहक हैं। आने वाले दिनों में बूथों पर प्रशिक्षण वर्ग आयोजित होंगे, जिनमें आप में से कई कार्यकर्ता प्रशिक्षण व वक्ता बनकर जाएंगे। इसलिए प्रशिक्षण की बारीकियों, अनुशासन और समय-सारिणी का पूर्णतः पालन आवश्यक है। समय का पालन करने से स्वयं में अनुशासन आने के साथ कार्य भी समय पर पूरे होते हैं। पार्टी कार्यकर्ता सामाजिक समरसता के साथ समाज को अपने साथ जोड़कर भारत को परम वैभव तक पहुंचाने का कार्य करना है।

प्रशिक्षण व संगठनात्मक शक्ति से भाजपा को चुनावों में मिल रही लगातार विजय

भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा कि देश में भाजपा ही एक ऐसा राजनीतिक दल है, जिसमें कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण वर्ग आयोजित होते रहते हैं। प्रशिक्षण वर्ग के माध्यम से कार्यकर्ताओं को निरंतर सीखने और अपने कौशल को सुधारने पर जोर देती है। भाजपा की सफलता केवल चुनावी जीत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उसकी मजबूत और स्थिर विचारधारा, संगठनात्मक शक्ति और निरंतर प्रशिक्षण का परिणाम है। हमें हमेशा अपनी कार्यप्रणाली और विचारों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रशिक्षण प्राप्त करना है, ताकि हम अपने कार्यों में दक्ष और समाज के प्रति अपने दायित्वों में निपुण बन सकें। भाजपा के कार्यकर्ताओं को राजनीति के असली उद्देश्य को समझना है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए राजनीति सिर्फ सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं है, बल्कि यह सेवा का एक महत्वपूर्ण साधन है। भाजपा हमेशा लोगों के विश्वास पर खरी उतरी है और यही कारण है कि पार्टी सत्ता में लगातार बनी रहती है। भाजपा ने कभी भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया, और यही पार्टी की सफलता का कारण है।

संपूर्ण प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों की पर्याप्त उपलब्धता: मुख्य सचिव जैन

मुख्य सचिव ने बैठक में कलेक्टर्स को दिए निर्देश

विजय मत, भोपाल

संपूर्ण प्रदेश में एलपीजी सहित अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की पर्याप्त उपलब्धता है और किसी तरह की कोई कमी नहीं है। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने पेट्रोलियम पदार्थों की सुगम उपलब्धता के लिए प्रदेश में किए जा रहे प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए कलेक्टर्स से कहा है कि वे प्रतिदिन मानीटरिंग करें और जमाखोरी के साथ कालाबाजारी की शिकायतों पर त्वरित तथा सख्त कार्यवाही करें। मुख्य सचिव जैन ने गुरूवार को मंत्रालय में वरिष्ठ अधिकारियों और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कलेक्टर्स के साथ जिलों में पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता की समीक्षा की। बैठक में तय किया गया कि राज्य स्तर और जिला स्तर पर पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता पर प्रतिदिन रिव्यू होगा। मुख्य सचिव जैन ने पीएनजी लाइन वाले जिलों में अधिकाधिक घरेलू कलेक्शन देने के लिए संबंधित एजेंसियों को जिला प्रशासन से नियमित समन्वय करने के साथ ही कलेक्टर्स को निर्देश दिए हैं कि वे एजेंसियों को वर्क फोर्स उपलब्ध करवाएं।

यात्री बसों की सुरक्षा को लेकर हाईकोर्ट सख्त

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने यात्री बसों की सुरक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने बसों में बाई ओर दो दरवाजे और एक इमरजेंसी डोर अनिवार्य करने के साथ ही सभी सुरक्षा मानदंडों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। हाईकोर्ट की मुख्य पीठ ने स्टेज कैरिज (यात्री बसों) और पर्यटक बसों में मोटर वाहन नियमों के कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि लगभग सभी बसों में सुरक्षा के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। कोर्ट ने आरटीए को बसों में सुरक्षा मानकों का पालन करवाने के सख्त निर्देश दिए हैं। जिसमें नियमों का उल्लंघन करने वाली बसों को 45 दिनों के अंदर बंद करने की कार्रवाई, परिवहन विभाग के मुख्य अतिरिक्त सचिव को इस मामले में जवाब पेश करने के आदेश और उठाए गए कदमों की जानकारी शपथ-पत्र के माध्यम से कोर्ट में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। जस्टिस विवेक जैन की एकल पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि बसों में केवल एक दरवाजा होना यात्रियों की सुरक्षा के साथ एक गंभीर समझौता है। अदालत ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि यह अत्यंत खेदजनक स्थिति है कि अनेक वातानुकूलित और लक्जरी बसों में दो दरवाजे नहीं हैं।

भाजपा ने मीडिया विभाग की पूरी टीम घोषित की, 80+ पदाधिकारियों को जिम्मेदारी

विजय मत, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से प्रदेश मीडिया विभाग में व्यापक फेरबदल करते हुए प्रदेश सह मीडिया प्रभारी, प्रदेश प्रवक्ता, मीडिया पैनलिस्ट और विभागीय सदस्यों की पूरी सूची जारी कर दी गई है। जारी आदेश के अनुसार संगठन ने राज्यभर के विभिन्न जिलों से जुड़े 80 से अधिक नेताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी हैं। पार्टी ने अनुभवी विधायकों, पूर्व विधायकों और सक्रिय कार्यकर्ताओं को शामिल कर मीडिया प्रबंधन को मजबूत करने की रणनीति अपनाई है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

प्रदेश सह मीडिया प्रभारी

बृजगोपाल लोया (रायसेन), मिलन भार्गव (भोपाल), आलोक दुबे (इंदौर), राकेश पंड्या (उज्जैन), राजलखन सिंह (ग्वालियर), विशाल बत्रा (बैतूल), पवन दुबे (भोपाल), श्रीकांत साहू (जबलपुर), प्रदीप राजौरिया (सागर)।

प्रदेश प्रवक्ता

अर्चना चिटनिस (बुरहानपुर), कुंवर सिंह टेकाम (सीधी), उषा ठाकुर (इंदौर), गौरव पारधी (बालाघाट), नीरज सिंह लोधी (जबलपुर), संदीप जायसवाल (कटनी), संतोष वरकड़े (जबलपुर), दिलीप परिहार (नीमच), संजय शाह (हरदा), डॉ. योगेश पंडाग्रे (बैतूल), छाया मोरे (खंडवा), कलसिंह भाबर (झाबुआ), यशपाल सिंह सिसोदिया (मंदसौर), घनश्याम पिरोनिया (दतिया), रामलाल रौतेल (अनूपपुर), डॉ. सनवर पटेल (उज्जैन), राजेंद्र भारती (उज्जैन), डॉ. हितेश वाजपेयी (भोपाल), पंकज चतुर्वेदी (भोपाल), गुलरेज शेख (उज्जैन), रूप पमनानी (उज्जैन), विवेक गुप्ता (उज्जैन), डॉ. दुर्गेश केसवानी (भोपाल), अजय धवले (पांढुर्ना), डॉ. दिव्या गुप्ता (इंदौर), राजेंद्र सिंह ठाकुर (नर्मदापुरम), अजय यादव (टीकमगढ़), मंजरी जैन (विदिशा), डॉ. वाणी अहलूवालिया (जबलपुर), धैर्यवर्धन शर्मा (शिवपुरी), कल्पेश ठाकुर (विदिशा), वैभव शुक्ला (इंदौर), सचिन बघेल (इंदौर)।

प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट

बृजेश पाण्डे (रीवा), योगेश गुप्ता (भोपाल), एड. गुंजन चौकसे (भोपाल), वंदना 'मार्तंड' त्रिपाठी (भोपाल), सत्येंद्र जैन (भोपाल), शिवम शुक्ला (सीधी), प्रेम व्यास (इंदौर), कर्नल ईशान आर (भोपाल), प्रियंका दुबे (हरदा), स्वाति चोपड़ा (नीमच), नमिता अग्रवाल (रायसेन), महेश शर्मा (भोपाल), कृष्णगोपाल पाठक (रायसेन), शाहवर आलम (भोपाल), मोहित गर्ग (बैतूल), अभय यादव (टीकमगढ़), निशांत बिसेन (बालाघाट), आदित्य दीक्षित (इंदौर), सागर कसेरा (इंदौर), अनिमेष भार्गव (राजगढ़), रश्मि अग्रवाल (भोपाल), मनस्वी पाटीदार (इंदौर), योगेश तिवारी (भोपाल), डॉ. अविनाश पटवारी (इंदौर), डॉ. संजय पाटीदार (खरगोन), सुबोध दुबे (ग्वालियर), विकास जैन (गुना), माही भजनी (भोपाल), डॉ. नितिन मोहन डेहरिया (छिंदवाड़ा), एड. श्याम गंगराड़े (खंडवा), डॉ. एसके तिवारी (भोपाल), विवेक सिन्हा (इंदौर), कमल वर्मा (इंदौर), सुमित रघुवंशी (भोपाल), विजय जोशी (शाजापुर), सूरज खरे (भोपाल), जे.पी. मूलचंदानी (इंदौर), अर्चिता जोशी (भोपाल), सुमित पांडे (भोपाल), ऋषांक तिवारी (सागर), गौरव कुलश्रेष्ठ (ग्वालियर)।

प्रदेश मीडिया विभाग सदस्य

नवीन चौधरी (ग्वालियर), नितिन द्विवेदी (इंदौर), योगेंद्र शुक्ला (रीवा), सुभाष शर्मा (ग्वालियर), दीपक बलेचा (सतना), अनिल कौरव (ग्वालियर)।

तत्काल प्रभाव से लागू

जारी आदेश में कहा गया है कि सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। संगठन ने इन नियुक्तियों के माध्यम से प्रदेश में मीडिया प्रबंधन को और अधिक मजबूत करने का लक्ष्य तय किया है, जिससे पार्टी की नीतियों और गतिविधियों को प्रभावी तरीके से जनता तक पहुंचाया जा सके।

22 हजार प्राइवेट स्कूलों में बिना फीस के पढ़ सकेंगे बच्चे

आरटीई लॉटरी में 1.06लाख बच्चों को स्कूल मिले

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए गुरुवार को ऑनलाइन लॉटरी के जरिए 1 लाख 6 हजार बच्चों को स्कूल आवंटित कर दिए गए। यह प्रक्रिया राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा ऑनलाइन आयोजित की गई, जिसका लाइव प्रसारण भी किया गया। प्रदेश के करीब 22 हजार निजी स्कूलों में 1 लाख 22 हजार 551 सीटों के लिए कुल 1 लाख 78 हजार 714 आवेदन प्राप्त हुए थे। सत्यापन के बाद पात्र बच्चों को लॉटरी के जरिए स्कूल आवंटित किए गए। लॉटरी के जरिए आवंटन में करीब 51 हजार बच्चों को उनकी पहली पसंद के स्कूल मिले हैं। शेष बच्चों को उपलब्ध विकल्पों के आधार पर अन्य स्कूल आवंटित किए गए। राज्य शिक्षा केंद्र ने पूरी प्रक्रिया सिंगल क्लिक सिस्टम के माध्यम से पूरी की। आवंटन के बाद अभिभावक आरटीई पोर्टल पर जाकर स्कूल की जानकारी देख सकते हैं और आवंटन पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

स्कूल ने मना किया तो होगी कार्रवाई: यदि कोई निजी स्कूल प्रवेश देने से इनकार करता है, तो अभिभावक जिला परियोजना समन्वयक या बीआरसी कार्यालय में शिकायत कर सकते हैं। ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

दूसरे चरण में फिर मिलेगा मौका: जिन बच्चों को पहले चरण में सीट नहीं मिली, वे 15 अप्रैल के बाद दोबारा विकल्प भर सकेंगे। रिक्त सीटों पर दूसरे चरण में फिर से लॉटरी प्रक्रिया आयोजित की जाएगी।

एसएमएस के जरिए भेजी गई जानकारी

अभिभावकों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से भी स्कूल आवंटन की सूचना भेजी गई है, जिससे उन्हें तुरंत जानकारी मिल सके।

3 से 15 अप्रैल तक प्रवेश प्रक्रिया

जिन बच्चों को स्कूल आवंटित हुआ है, उनके अभिभावकों को 3 अप्रैल से 15 अप्रैल के बीच संबंधित स्कूल में जाकर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इस दौरान आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा। स्कूल स्तर पर एडमिशन के दौरान मोबाइल ऐप के जरिए छात्र की उपस्थिति दर्ज की जाएगी। फोटो और ओटीपी वेरिफिकेशन के माध्यम से प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

746 किमी लंबे कॉरिडोर को मिली मंजूरी

मध्य भारत विकास पथ एक्सप्रेस-वे कॉरिडोर से मिलेगी विकास को रफ्तार

विजय मत, भोपाल

मध्य भारत विकास पथ एक्सप्रेस वे को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंजूरी दे दी है। 746 किलोमीटर लंबा ये कॉरिडोर प्रदेश के कई प्रमुख शहरों को जोड़ेगा। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात के बाद कॉरिडोर के निर्माण को लेकर जानकारी दी है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कॉरिडोर को मंजूरी मिलने के बाद एक्स पर जानकारी दी। सिंधिया ने लिखा कि आज केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री माननीय से सौजन्य भेंट कर ग्वालियर-चंबल संभाग एवं मध्य प्रदेश में कनेक्टिविटी और आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस बैठक में गडकरी जी ने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर सहमति दी। ग्वालियर-भिंड-इटावा राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएचए-719) का निर्माण कार्य NH-I द्वारा शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। मुरैना से नागपुर तक प्रस्तावित मध्य भारत विकास पथ एक्सप्रेस-वे को ग्वालियर-चंबल के प्रमुख शहरों से जोडने पर सहमति बनी है।

ग्वालियर-चंबल के सभी प्रमुख शहर जोड़े जाएंगे: दोनों केंद्रीय मंत्रियों के बीच कई नए प्रोजेक्ट पर चर्चा की गई। इनमें से कई प्रोजेक्ट पर सहमति बनी है। इस दौरान ये भी चर्चा की गई है कि कॉरिडोर को ग्वालियर-चंबल के प्रमुख शहरों से जोड़ा जाएगा।

व्यवसायिक रूप से भी मजबूत होंगे शहर

मध्य भारत विकास पथ एक्सप्रेस-वे कॉरिडोर के बनने से मध्य भारत के विकास को रफ्तार मिलेगी। इससे ना केवल वाहनों के आने-जाने के लिए सुगम पाथ मिलेगा। बल्कि शहर व्यवसायिक रूप से भी मजबूत बनेंगे। एक्सप्रेस वे से जुड़े शहरों में कनेक्टिविटी ज्यादा होने से कई कंपनियों के ऑफिस और फ्रेंचाइजी की संख्या बढ़ोतरी हो सकती है। इस एक्सप्रेस वे में चंदेरी, अशोकनगर और मुंगावली को जोडने के लेकर भी चर्चा की जा रही है।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी, भोपाल

"खाद्य पदार्थों में मिलावट से जनता का स्वास्थ्य खतरे में, सरकार की लापरवाही उजागर: जीतू पटवारी"

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र (जीतू) पटवारी ने प्रदेश में खाद्य पदार्थों में तेजी से बढ़ रही मिलावट को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे आम जनता के स्वास्थ्य पर मंडराता गंभीर संकट बताया है। पटवारी ने कहा कि यह अब कोई सामान्य शिकायत नहीं रह गई है, बल्कि लाखों लोगों के जीवन से जुड़ा बड़ा मुद्दा बन चुका है। हाल ही में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (स्वष्ठ) की रिपोर्ट में 2000 से अधिक फूड सैंपल फेल पाए जाना बेहद चिंताजनक है। विशेष रूप से ग्वालियर से सामने आए लगभग 420 मामलों ने सरकार की कार्यप्रणाली और निगरानी तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह केवल ग्वालियर तक सीमित नहीं है बल्कि पूरे मध्य प्रदेश में इस तरह के मामले पाए जा रहे हैं उन्होंने कहा कि सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि आम जनता द्वारा रोजाना उपयोग में लाए जाने वाले दूध, मावा, पनीर और घी जैसे डेयरी उत्पाद ही सबसे अधिक मिलावटी पाए जा रहे हैं। यह स्थिति सीधे-सीधे लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। पटवारी ने कहा कि इस प्रकार की मिलावट केवल फूड पॉइजनिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे डायबिटीज, हृदय रोग और हार्मोनल असंतुलन जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है।

उन्होंने भाजपा सरकार पर

सरकार से सीधे सवाल

आखिर मिलावटखोरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं हो रही?
खाद्य पदार्थों की नियमित जांच और निगरानी में इतनी लापरवाही क्यों?
जनता के स्वास्थ्य के साथ हो रहे इस खिलवाड़ पर सरकार मौन क्यों है?

कांग्रेस की प्रमुख मांगें

1. मिलावटखोरों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।
2. खाद्य पदार्थों की नियमित, पारदर्शी और व्यापक जांच की व्यवस्था की जाए।
3. दोषियों को सख्त सजा देकर कड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया जाए।
4. आम जनता को सुरक्षित और शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना सरकार सुनिश्चित करे।

अंत में पटवारी ने कहा कि यदि सरकार इस गंभीर मुद्दे पर तत्काल ठोस कदम उठाए, "जनता के स्वास्थ्य से समझौता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।"

सादर प्रकाशनार्थ
(मुकेश नायक)
अध्यक्ष, मीडिया विभाग
मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी

विजय मत एंकर मोहन सरकार के 27 महीने के कार्यकाल में जुड़ेगी एक और बड़ी उपलब्धि

मप्र के नौ जिलों के शत-प्रतिशत घरों नलों से पानी की सप्लाई

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मप्र निरंतर विकास कर रहा है। इसी कड़ी में मोहन सरकार के 27 महीने के कार्यकाल में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ने जा रही है। यह उपलब्धि जल जीवन मिशन से जुड़ी है। जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश के नौ और जिले ऐसे हो गए हैं जहां शत-प्रतिशत घरों नलों से पानी की सप्लाई हो रही है। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि सरकार की मंशा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों इन जिलों को हर घर जल प्रमाणित घोषित कराने की थी, लेकिन प्रधानमंत्री की लगातार व्यस्तता के चलते सरकार को इसमें सफलता नहीं मिल पाई। इसलिए अब केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटील की मौजूदगी में नौ जिलों को हर घर जल प्रमाणित घोषित कराने की तैयारी पीएचई विभाग कर रहा है। कार्यक्रम के आयोजन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की हरी झंडी मिलने का इंतजार है। जानकारी के अनुसार, जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश के नौ जिलों के शत-प्रतिशत घरों में नलों से पानी की सप्लाई को लेकर टेस्टिंग पूरी हो चुकी है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग ने अपनी तरफ से इन जिलों को हर घर जल प्रमाणित घोषित करने की तैयारी पूरी कर ली है। सीएम डॉ. मोहन यादव की हरी झंडी मिलते ही इन जिलों को हर घर जल प्रमाणित घोषित कर दिया जाएगा। यानी इन जिलों के शत-प्रतिशत घरों में नलों से पानी की सप्लाई शुरू हो जाएगी। इनमें उज्जैन सभाग के सातों जिले-उज्जैन, देवास, रतलाम, आगर मालवा, शाजापुर, मंदसौर, नीमच के अलावा इंदौर और अशोकनगर शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक देश और प्रदेश में जल जीवन मिशन को लॉन्च हुए साढ़े 6 साल हो गए।

अप्रैल में पूरा हो जाएगा एकल नल जल योजनाओं का काम

जल जीवन मिशन में दो तरह की योजनाओं (एकल नल जल और समूह नल जल) पर काम चल रहा है। प्रदेश में एकल नल जल योजनाओं की संख्या 28 हजार से ज्यादा है। एकल नल जल योजनाओं का 97 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। अप्रैल तक एकल नल जल योजनाओं का काम पूरा कर लिया जाएगा। समूह नल जल योजनाओं की कुल संख्या 147 है। समूह नल जल योजनाओं का करीब 68 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। समूह नल जल योजनाओं का काम पूरा करने की डेडलाइन मार्च, 2027 निर्धारित है। बता दें कि मप्र में एकल नल जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण (ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस) की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों को सौंपी गई है। इसके लिए सरकार ने मप्र पंचायत (ग्रामीण नल जल योजना संचालन संधारण एवं प्रबंधन नीति)-2026 को मंजूरी दे दी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-01, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला। प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। आर.एन.आई. क्रमांक- MPHIN/2015/66998, e-mail vijaymat.bhopal@gmail.com। मोबाइल- +91 88899 77997

न्यूज इन शॉर्ट

अब पेड़ काटना होगा नामुमकिन सरकार ने नगर निगम से छीने अधिकार, नया नियम लागू

विजय मत, भोपाल। राजधानी भोपाल समेत प्रदेश के सभी शहरी निकायों में अब पेड़ों की कटाई पर नकेल कसने के लिए सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब तक नगर निगम और जिला प्रशासन के पास रहने वाला पेड़ काटने की अनुमति का अधिकार अब पूरी तरह से वन विभाग को ट्रांसफर कर दिया गया है। यह कदम शहरों में तेजी से घटते ग्रीन कवर को बचाने के उद्देश्य से उठाया गया है। भोपाल में अकेले स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के नाम पर 8,000 से अधिक पेड़ों की बलि चढ़ा दी गई थी, जिसकी पर्यावरणविदों ने काफी आलोचना की थी। इसी को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार ने अब शहरी स्थानीय निकायों और जिला प्रशासन की शक्तियों को समाप्त कर दिया है। अब निजी जमीन हो या सरकारी, पेड़ हटाने या काटने के लिए वन विभाग की दहलीज पर जाना ही होगा। ये है नया पावर स्टक्चर नए सरकारी आदेश के मुताबिक, अब प्रदेश के किसी भी कोने में पेड़ काटने के लिए संबंधित क्षेत्र के रेंज ऑफिसर से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। यदि रेंजर अनुमति देने से इनकार करता है, तो आवेदक उप-संभागीय वन अधिकारी के पास अपील कर सकता है।

बस ने बाइक सवार दो युवको को रौंदा, एम की मौत, साथी गंभीर

विजय मत, भोपाल। बिलखिरिया थाना इलाके में बुधवार रात तेज रफ्तार यात्री बस ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। दर्दनाक हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस के मुताबिक ग्राम बेगमगंज रायेसन में रहने वाला सुरेंद्र लोधी पुत्र सुंदर लोधी (30) पोकलेन मशीन ऑपरेट करता था। बुधवार दोपहर पोकलेन का सामान लेने वह अपने साथी के साथ बाइक से भोपाल आया था। काम के बाद रात करीब आठ बजे दोनो भोपाल से वापस रायसेन लौट रहे थे। रास्ते में पीछे से आई तेज रफ्तार यात्री बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में महेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई वहीं उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए पहुचांया जहॉ उसे भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर मृतक के शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया, परिजन अंतिम संस्कार के लिये शव लेकर बेगमगंज रवाना हो गए। मामले में पुलिस ने बस में सवार मुसाफिरो को दूसरी बस से रवाना करते हुए टक्कर मारने वाली बस को जब्त कर चालक की तलाश में जुटी है।

आसिफ बम पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज

विजय मत, भोपाल। शहर के अशोका गार्डन थाना इलाके में होटल व्यवसायी की हत्या करने वाले बदमाश आसिफ बम के खिलाफ पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। क्योंकि उसने पुलिस कस्टडी से फरार होने के लिये पुलिसकर्मियों पर फायरिंग की थी, जवाबी हमले में उसके पैर में गोली लग गई थी। वह अस्पताल में भर्ती है। उसकी हालत अब खतरे से बाहर है। पुलिस के मुताबिक रविवार रात विजय मेवाड़ की बदमाश आसिफ बम ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी थी। इस मामले में दो बदमाश पहले ही पकड़े जा चुके थे, लेकिन आसिफ फरार था। इस मामले को लेकर हिंदू संगठनों ने सीएम हाउस का घेराव कर प्रदर्शन किया था। इसी बीच पुलिस ने उसे रातीबढ़ इलाके से शार्ट एनकाउंट कर गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि आसिफ ने पहले पुलिस पर फायरिंग की थी।

गांजा तस्करो से सेटिंग कर बिना कार्यवाही छोड़ने वाले टीआई अरुण शर्मा सस्पेंड

विजय मत, भोपाल। थाने से हथकड़ी सहित फरार हुए बदमाशो की तलाश के दौरान पकड़े गए दो गांजा तस्करों से लेनदेन कर बिना कार्यवाही किये छोड़ने के मामले में नजीराबाद थाना प्रभारी उप निरीक्षक अरुण शर्मा को भोपाल देहात एसपी रामशरण प्रजापति को सस्पेंड कर दिया है। इस मामले में सिपाही पर भी गाज गिरी है। मामले की जॉच एसपी ने बैरसिया एसडीओपी को जांच सौंपी थी। पुलिस के अनुसार 30 मार्च को इकबाल और जावेद काला नाम के दो बदमाशो को हथियार सहित उस समय दबोचा गया था, जब वह किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। उनसे पूछताछ होती उससे पहले ही दोनो बदमाश पुलिस को चकमा देकर थाने से हथकड़ी सहित भाग गए थे। हालांकि कुछ घंटों बाद इकबार को दबोच लिया गया था। इस लापरवाही के मामले में उसी दिन संतरी आरक्षक रमेश चतुर्वेदी को सस्पेंड कर दिया गया था।

यज्ञ, मेला और धार्मिक आयोजनों से गूंजा मंदिर परिसर

चमत्कारी धाम में उमड़ी आस्था : 900 साल पुरानी प्रतिमा बनी आकर्षण का केंद्र

विजय मत, भोपाल

आदिवासी बहुल अंचल में स्थित प्राचीन बलवारी हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर भक्ति और आस्था का अनूठा दृश्य देखने को मिला। करीब 900 वर्षों से बिना किसी सहारे के खड़ी 12 फीट ऊंची हनुमानजी की प्रतिमा को विशेष रूप से तैयार अमेरिकी डायमंड के मुकुट से अलंकृत किया गया। सुबह से ही हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन कर अपनी आस्था प्रकट की। घने जंगलों और ऊंची-नीची पहाड़ियों के बीच स्थित बलवारी हनुमान मंदिर क्षेत्र का प्रमुख आस्था केंद्र बना हुआ है। मंदिर में स्थापित हनुमानजी की 12 फीट ऊंची प्रतिमा अपनी अद्वितीय विशेषता के कारण दूर-दराज से श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है। मान्यता है कि यह प्रतिमा लगभग 900 वर्षों से बिना किसी सहारे के खड़ी है, जिसे श्रद्धालु चमत्कार के रूप में देखते हैं। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष आयोजन किए गए। प्रतिमा को अमेरिकी डायमंड से निर्मित आकर्षक मुकुट पहनाया गया और भगवान को पारंपरिक वाद्य यंत्र तंदुरा और झांझ से सुसज्जित किया गया। भक्तों ने इसे रामनाम कीर्तन का प्रतीक मानते हुए दर्शन किए। सुबह 5 बजे से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी,

जो दिनभर जारी रही। मंदिर के पुजारी निरंजनदास वैष्णव महंत के अनुसार, उनके परिवार की 35वीं पीढ़ी इस मंदिर की सेवा में लगी है, जिसकी परंपरा वर्ष 1126 से चली आ रही है। प्रतिमा को पांडवकालीन माना जाता है और इसके दर्शन को विशेष महत्व दिया जाता है। प्रतिमा की एक विशिष्ट विशेषता यह भी है कि भक्तों को दिनभर में तीन अलग-अलग रूपों में दर्शन होते हैं। सुबह बाल्यावस्था, दोपहर में युवावस्था और शाम को वृद्धावस्था के रूप में हनुमानजी के स्वरूप का अनुभव होता है। प्रतिमा के बाएं पैर के नीचे अहिरावण की आराध्य देवी की भी स्थापना है, जो इस मंदिर की धार्मिक मान्यताओं को और विशेष बनाती है।

900 वर्षों से अडिग आस्था का प्रतीक

बलवारी हनुमान मंदिर की 12 फीट ऊंची प्रतिमा करीब 900 वर्षों से बिना किसी सहारे के खड़ी है। श्रद्धालु इसे चमत्कार मानते हैं और विश्वास करते हैं कि यहां दर्शन करने से संकट दूर होते हैं। यह विशेषता ही मंदिर को अन्य धार्मिक स्थलों से अलग बनाती है और इसे क्षेत्र का प्रमुख आस्था केंद्र स्थापित करती है।

तीन रूपों में दर्शन की अनूठी परंपरा

मंदिर में स्थापित हनुमानजी की प्रतिमा दिन में तीन अलग-अलग अवस्थाओं में दर्शन देती है। सुबह बाल रूप, दोपहर में युवा और शाम को वृद्ध स्वरूप में दर्शन होने की मान्यता है। यह परंपरा भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है और इसे आध्यात्मिक अनुभव से जोड़ा जाता है।

जन्मोत्सव पर विशेष आयोजन और मेला

हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर में तीन दिवसीय यज्ञ और विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। अमेरिकी डायमंड से बने मुकुट से प्रतिमा का श्रृंगार किया गया। पौष माह में लगने वाला मेला भी यहां की प्रमुख पहचान है, जहां हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं और धार्मिक गतिविधियों के साथ स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलता है।

युवा कांग्रेस ऐसे पदाधिकारियों की बना रही है सूची

पद पाकर काम नहीं करने वालों पर गिरेगी गाज

विजय मत, भोपाल

मप्र में कांग्रेस पूरी तरह चुनावी मोड में है। इसके लिए पार्टी की कोशिश है कि पूरा संगठन सक्रिय रहे। इसको देखते हुए पार्टी अपने निष्क्रिय पदाधिकारियों की सूची बना रही है। इसी कड़ी में युवा कांग्रेस के जो निर्वाचित महासचिव-सचिव काम नहीं कर रहे हैं, उन्हें हटाया जाएगा। इसकी रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर तैयार करके राष्ट्रीय संगठन को भेजी जाएगी। इनके स्थान उन युवाओं को अवसर दिया जाएगा, जो बिना पद के भी काम कर रहे हैं। यह निर्णय प्रदेश कार्यकारिणी ने लिया है। वहीं, यह भी तय किया गया है कि 13 अप्रैल को जबलपुर में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में प्रदर्शन होगा, जिसमें संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब शामिल होंगे। युवा कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद यश घनघोरिया ने तय किया था कि प्रत्येक पंचायत और वार्ड स्तर पर युवा कार्यकर्ताओं की टीम बनाई जाएगी। कई जगहों पर यह काम अभी तक नहीं हुआ है। इसकी जिम्मेदारी जिला अध्यक्ष से लेकर प्रभारी और प्रदेश पदाधिकारियों की थी। मंगलवार को भोपाल में हुई प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में इसकी समीक्षा की गई और यह तय किया गया कि ऐसे पदाधिकारी जो काम नहीं कर रहे हैं, उन्हें हटाकर उन युवाओं को अवसर दिया जाए जो बिना पद के भी काम कर रहे हैं। जिला प्रभारियों से रिपोर्ट तैयार कराकर राष्ट्रीय संगठन को भेजी जाएगी। उधर, बैठक में भोपाल के जिला अध्यक्ष निर्वाचित हुए अंकित दुबे का मामला भी उठा। उन्होंने इस मामले में जल्द निर्णय करने की बात रखी। इस पर पदाधिकारियों ने आश्वस्त किया कि प्रकरण को संगठन की निर्वाचन इकाई देख रही है। जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि अंकित दुबे पर कुछ पुलिस प्रकरण होने के कारण निर्वाचित होने के बाद उन्हें पद से हटाकर दूसरे स्थान पर रहे अमित खत्री को अध्यक्ष बना दिया गया था।

जालसाजों ने मुनाफे का दिया था लालच

दोस्तों से लाखों रुपए उधार लेकर शेयर ट्रेडिंग में लगाए, साइबर ठग ने लगाई चपत

विजय मत, भोपाल

प्रॉपर्टी डीलर ने दोस्तों व परिचितों से पैसे उधार लेकर करीब साढ़े 18 लाख रुपए शेयर ट्रेडिंग में लगा दिए। अपने पैसे और मुनाफ के पैसे निकालने की बात कहते ही साइबर ठग ने उनसे अपना संपर्क खत्म कर दिया। मामले की शिकायत मिलने पर चूनाभट्टी पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। चूनाभट्टी थाने की एसआई मोना जादौन ने बताया कि चाणक्यपुरी में रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर शेयर ट्रैडिंग का काम भी करते हैं। जनवरी के महीने में सोशल मीडिया पर उन्होंने एक एप देखा जिसमें शेयर ट्रैडिंग से मुनाफा कमाने की बात कही गई थी। उन्होंने वहां पर दिए मोबाइल नंबर पर संपर्क किया तो एक महिला ने कॉल रिसीव किया। उस महिला ने बताया कि शेयर ट्रेडिंग के तहत निवेश करने पर उन्हें बड़ा मुनाफा होगा। महिला का कहना था कि वह उसका एप ट्रेडिग में मदद कर अपना कमीशन लेगा। ललित ने उस पर भरोस किया तथा पैसे लगाना शुरू कर दिए। जब वे करीब 50 लाख रुपए का लाभ कमा चुके तो उन्होंने अपने पैसे वापस लेने की बात की। इस पर साइबर ठग ने उनसे कहा कि इस रकम को निकालने के लिए रकम का 25 प्रतिशत जमा करना होगा। इस समय ललित करीब 18 लाख 55 हजार रुपए जमा कर चुके थे। ठगी का अहसास होते ही उन्होंने पैसे देने से मना कर दिया तथा मामले की शिकायत साइबर पुलिस को कर दी। साइबर पुलिस ने जीरो पर कायम करने के बाद प्रकरण चूनाभट्टी थाने भेज दिया। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क पार कर रहे युवक को तेज रफ्तार कार ने रौंदा

भोपाल।। खजूरी सड़क इलाके में सड़क पार कर रहे युवक को तेज रफ्तार कार ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इधर बिलखिरिया क्षेत्र में एक यात्री ने बाइकसवार युवक को टक्कर मार दी जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने दोनों ही मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार 30 वर्षीय साहिल यादव पुत्र बब्लू यादव ढाबे पर काम करता था। बीती रात काम पूरा होने के बाद वह घर जाने की तैयारी कर रहा था। सड़क पार करने के दौरान अज्ञात कार ने साहिल यादव को अपनी चपेट में ले लिया। ढाबे पर काम करने वाले कर्मचारी उसे तुरंत ही अस्पताल लेकर पहुंचे जहां पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी कैमरो के फुटेज के जरिए टक्कर मारने वाली कार की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। इधर बिलखिरिया इलाके में तेज रफ्तार यात्री बस ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार 30 वर्षीय महेंद्र रायेसन में रहता था। कल शाम करीब चार बजे वह भोपाल से रायसेन अपने साथी के साथ बाइक पर सवार होकर जा रहा था। तभी रास्ते में पीछे से आई यात्री बस क्रमांक एमपी 10 पी 0990 ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में महेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई और उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के समय बस में यात्री सवार थे। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए भर्ती कराया और शव को पीएम के लिए भेज दिया। साथ ही पुलिस ने यात्रियों को दूसरी बस से रवाना करने के साथ ही बस को जब्त कर लिया। अब पुलिस ड्रायवर की तलाश में जुटी हुई है।

गेहूं उपार्जन की तारीख बढ़ाकर फंस गए अफसर

किसानों के विरोध के कारण सरकार के निशाने पर आए अधिकारी

विजय मत, भोपाल

अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध का असर मध्य प्रदेश के किसानों पर भी दिखाई दे रहा है। गेहूं खरीदी के लिए जरूरी पीपी बैग की कमी की वजह से मध्य प्रदेश में गेहूं खरीद को लगातार टाला जा रहा है। प्रदेश में गेहूं खरीद की तारीख 3 बार बढ़ाई जा चुकी है। अब समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद की नई तारीख 10 अप्रैल तय की गई है। लगातार गेहूं खरीद की तारीख बढ़ाए जाने का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। पैसों की जरूरत को पूरा करने के लिए किसानों को खुले बाजार में गेहूं बेचना पड़ रहा है, जहां उन्हें समर्थन मूल्य से 400 रुपए प्रति क्विंटल का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इससे किसानों में नाराजगी है। किसानों की नाराजगी के कारण सरकार के निशाने पर अफसर आ गए हैं। जानकारी के अनुसार, गेहूं खरीदी की तारीख तीसरी बार बढ़ाने की सिफारिश करके राज्य के कई वरिष्ठ अफसर बुरे फंस गए हैं। ये मुख्यमंत्री व मंत्री के निशाने पर हैं। वजह, मैदानी स्तर पर किसानों की भारी नाराजगी है। जिम्मेदार अफसरों ने खरीदी के

लिए संसाधनों की कमी बताकर तारीखें तीन बार आगे बढ़वा ली, लेकिन पूर्व से पता होने के बावजूद इंतजाम जुटाने पर जोर नहीं दिया। यहां तक कि कई जिलों में तो 100 प्रतिशत खरीदी केंद्र तक तय नहीं किए। इससे राज्य सिविल सप्लाई कॉर्पोरेशन की तैयारियों की पोल खुल गई। सारे दावे उलट पड़ रहे हैं। इस बीच प्रदेश भर के किसानों की मांग है कि हर हाल में खरीदी 10 अप्रैल के पहले शुरू की जाए, ऐसा नहीं किया तो वे बर्बाद हो जाएंगे। किसान संगठनों के प्रमुख जल्द ही मुख्यमंत्री और मंत्री से मुलाकात की तैयारी कर रहे है। बता दें कि प्रदेश में सबसे पहले 1 फरवरी से गेहूं खरीदी की जानी थी। फिर यह तारीख 16 मार्च की, उसके बाद 1 अप्रेल और अब 10 अप्रैल से खरीदी करने का दावा किया जा रहा है।

जूट के बोरों का होगा उपयोग: मध्य प्रदेश में गेहूं खरीदी के लिए सबसे ज्यादा वारदाना यानी पीपी और एचडीपीपी बैग की जरूरत होती है। इसकी मध्य प्रदेश में भारी कमी है। यह प्लास्टिक बैग पेट्रोलियम उत्पादों से बनते हैं। ईरान युद्ध की वजह से प्रभावित हुई पेट्रोलियम सप्लाई की वजह से प्लास्टिक बैग का उत्पादन और इसकी सप्लाई भी प्रभावित हुई है।

किसानों में नाराजगी

बार-बार गेहूं खरीदी की तारीख बढ़ाए जाने से किसान नाराज हैं। दरअसल, मप्र के 20 से 40 फीसद जिलों में सिंचाई की पर्याप्त सुविधा नहीं है इसलिए यहां के किसान गेहूं की बौवनी जल्दी कर देते हैं। ऐसे जिलों में मार्च के पहले सप्ताह में तो लगभग कटाई व गहाई पूरी हो जाती है। वे अपनी उपज समर्थन मूल्य में बेंचने के इंतजार में बैठे हैं। तीन बार तारीख बढ़ाने के पीछे के कारण नहीं बताए, सिर्फ प्रेसनोट जारी किए। किसानों को लग रहा है कि सरकार एकतरफा निर्णय ले रही है। किसानों ने विभिन्न बैंकों से कर्ज लेकर रखा है, जिसे 31 मार्च तक चुकाना था, लेकिन गेहूं नहीं बिकने के कारण चुका नहीं पाए। उन्हें जुर्माने का सामना करना पड़ेगा। विवाह व अन्य धार्मिक आयोजनों का मुहूर्त है।

ठगो ने ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग के नाम पर प्रापर्टी डीलर को लगाया 18 लाख का चूना

विजय मत, भोपाल। चूनाभट्टी थाना इलाके में ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग के नाम पर शातिर जालसाजों ने एक प्रापर्टी डीलर को 18 लाख 55 हजार का चूना लगा दिया। जॉच के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार चाणक्यपुी में रहने वाले ललित नामदेव (50) ने अपनी शिकायत में बताया की वह प्रापर्टी डीलर का काम करते हैं। जनवरी माह में वह अपने मोबाइल पर कुछ काम कर रहे थे। उसी समय उनके पास एप आई, जिसमें उन्हें बताया गया की शेयर मार्केट में निवेश करने पर 60 से 70 प्रतिशत तक मुनाफा मिल सकता है। झांसे में आकर उन्होंने एप के जरिये एक सोशल मीडिया ग्रुप से जुड़ गए। जिसमें उन्हें शेयर में निवेश करने के सबंध में बताया गया। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग किस्तों में करीब 18 लाख 55 हजार रुपए निवेश कर दिए। लेकिन बाद में उन्हें ना तो निवेश की हुई रकम पर कोई लाभ मिला और न ही निवेश की हुई रकम वापस मिली।

बाइक सवार बदमाश ने छात्रा का मोबाइल झपटा

छात्रा को लूट का शक रिश्तेदार पर हुआ, उसके घर पहुचीं तो संदेही ने जहर खा लिया

विजय मत, भोपाल

एमपी नगर थाना इलाके में अज्ञात बाइक सवार ने एक छात्रा का मोबाइल झपट लिया। इसके बाद छात्रा ने अपने मोबाइल पर कॉल किया, दूसरी और से जिसने फोन उठाया उसकी आवाज छात्रा के एक रिश्तेदार से मिलती जुलती लगी। संदेह के कारण छात्रा उस रिश्तेदार के घर पहुंच गई। वहां हुए विवाद के बाद रिश्तेदार ने आरोपों से शर्मिंदा होकर जहर खा लिया। छात्रा घटना के पांच दिन बाद रिपोर्ट दर्ज कराने थाने पहुंची, पुलिस नए सिरे से घटना की जांच कर रही है। थाना पुलिस के अनुसार शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित गुलमोहर कॉलोनी के नजदीक ईश्वर नगर में रहने वाली सौम्या राजपूत पिता राजेश सिंह राजपूत (22) ने बताया की वह एमपी नगर स्थित एक कंप्यूटर कोचिंग में पढ़ने जाती हैं। 25 मार्च को वह नूतन कॉलेज के पास शिवाजी नगर में एक परिचित को मार्कशीट देने के बाद वहां से वह ई-रिक्शा में सवार होकर कोचिंग सेंटर जा रही थी। जैसे ही ई-रिक्शा मानसरोवर के पास पहुंचा तभी बिना नंबर की बाइक पर सवार होकर आये हेलमेट पहने युवक ने उसका मोबाइल झपट लिया। बाद में कोचिंग से लौटकर छात्रा घर पहुचीं और परिवार वालो को सारी बात बताई। इसके साथ ही उसने अपने मोबाइल पर फोन भी किया। दूसरी और से जिसने फोन उठाया वह आवाज छात्रा को सीहोर जिले के रेहटी में रहने वाले अपने मौसा की लगी। संदेह होने पर छात्रा उनके पास पहुंच गई और मोबाइल झपटने का आरोप लगाकर हंगामा कर दिया। विवाद के दौरान आरोप लगने पर मौसा ने जहरीला पर्दाथ खा लिया। हालांकि दो दिनों तक चले इलाज के बाद उसकी हालत खतरे से बाहर हैं। थाना पुलिस ने रविवार को मामले में झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है, कि छात्रा के संदेही पर लगाए गए आरोपों की जॉच के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी।

वॉलंटियर्स को बताए मच्छर के लार्वा नष्ट करने के गुर

विजय मत, भोपाल

वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनीष शर्मा के निर्देशन और जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती स्मृता नामदेव के मार्गदर्शन में गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के सहयोग से संचालित एंबेड परियोजना फैमिली हेल्थ इंडिया द्वारा 60 वॉलंटियर का प्रशिक्षण रखा गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य डेंगू नियंत्रण में स्वयंसेवकों की भूमिका, प्रभावी कम्युनिकेशन स्किल और व्यावहारिक संचार का आदान प्रदान के विभिन्न आयामों पर चर्चा और फील्ड स्तर पर कैसे इसे अमल में लाया जाए, जिससे वाहक जनित रोग नियंत्रण में सहायक सिद्ध हो। जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती स्मृता नामदेव ने कहा, आप सभी अपने क्षेत्र में जाकर लार्वा

नष्टीकरण के साथ-साथ लोगों को मच्छर से बचाव के बारे में समझाएं। इसके अलावा डेंगू नियंत्रण में क्या-क्या भूमिका वॉलंटियर्स की हो सकती है, इस बारे में चर्चा की। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षण कार्यक्रम समन्वयक रत्नेश सिंह, कृष्णा पटेल और भूमिका साहू द्वारा अलग अलग बेच को दिया गया। इस दौरान प्रेजेंटेशन, चार्ट पेपर, फिश बोन गतिविधि और खेल के माध्यम से कम्युनिकेशन स्किल्स और सॉफ्ट स्किल्स पर विस्तारपूर्वक प्रशिक्षित किया गया।

सीधी भर्ती से नाराज मेडिकल टीचर्स ने अस्पताल में एक घंटे बंद रखा काम

विजय मत, भोपाल

भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज में 'आंतरिक सीधी भर्ती' को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। अब चिकित्सा शिक्षकों (मेडिकल टीचर्स) ने खुला मोर्चा खोलते हुए आज हमीदिया अस्पताल में एक घंटे काम बंद रखकर जीएमसी के एडमिशन ब्लॉक के समक्ष प्रदर्शन किया। यह विरोध जीएमसी के पात्र कैंडिडेट्स द्वारा किया जा रहा है। प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन (पीएमटीए) के अध्यक्ष डॉ. राकेश मालवीया ने कहा कि यह प्रक्रिया पूरी तरह अवैधानिक है और इससे चिकित्सा शिक्षकों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। पीएमटीए का प्रतिनिधिमंडल इस मुद्दे को सीधे सरकार तक ले जाने की तैयारी में है। एक अप्रैल को डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य विभाग के

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक भी प्रस्तावित है। जीएमसी से जारी विज्ञापन में प्रोफेसर के 4 और एसोसिएट प्रोफेसर के 5 पदों पर सीधी भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। जबकि शिक्षकों का कहना है कि इन पदों को नियमानुसार पदोन्नति से भरा जाना चाहिए। प्रदेश के इतिहास में यह पहला मामला है, जब किसी भर्ती प्रक्रिया का विरोध स्वयं उसी संस्थान के पात्र अभ्यर्थियों ने किया है। गांधी मेडिकल कॉलेज में जारी 'आंतरिक सीधी भर्ती' के विज्ञापन के खिलाफ मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन (एमडीए) ने कड़ा रुख अपनाया है। फॉरेंसिक मेडिसिन सभागार में आयोजित एग्जीक्यूटिव बॉडी मीटिंग में 42 पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से इस भर्ती प्रक्रिया का बहिष्कार करने का निर्णय लिया। बैठक में साफ कहा गया कि वरिष्ठ पदों पर नियुक्ति केवल विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) के माध्यम से ही होनी चाहिए। शिक्षकों ने अपने पक्ष को मजबूत करने के लिए कई न्यायिक उदाहरण भी प्रस्तुत किए। ग्वालियर के जीआरएमसी में प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर पदों पर सीधी भर्ती को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसी तरह खंडवा मेडिकल कॉलेज के मामले में भी न्यायालय का फैसला शिक्षकों के पक्ष में आया, जबकि रतलाम मेडिकल कॉलेज में इस मुद्दे पर फिलहाल स्टे लगा हुआ है।

विजय मत एंकर इन दुकानों से पांच हजार करोड़ का राजस्व जुटाएगा आबकारी विभाग

शराब दुकानों की 12वें चरण की नीलामी के आज खुलेंगे टेंडर

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश में शराब दुकानों से बकाया करीब 5 हजार करोड़ रुपए के राजस्व को जुटाने के लिए आबकारी विभाग ने गुरूवार को 12वें चरण की ई-टेंडर नीलामी शुरू करा दिया है। इस प्रक्रिया में पारंपरिक ऑक्शन नहीं होगा, बल्कि ऑनलाइन टेंडर के जरिए ही आवंटन किया जाएगा। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि ई-टेंडर में ऑफसेट प्राइस आरक्षित मूल्य से अधिकतम 30 प्रतिशत कम तक ही मान्य होगा। यानी 70 प्रतिशत से कम का कोई भी ऑफर स्वीकार नहीं किया जाएगा, जिससे न्यूनतम बोली की सीमा तय की गई है। ऑनलाइन टेंडर फॉर्म डाउनलोड और ऑफर जमा करने की प्रक्रिया गुरूवार सुबह 11 बजे से शुरू हुई है, जो 3 अप्रैल को दोपहर 2 बजे तक चलेगी। टेंडर खोलने की प्रक्रिया 3 अप्रैल को दोपहर 2.05 बजे से शुरू होगी। आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना ने जिलों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 10वें और 11वें चरण में प्राप्त ऐसे प्रस्ताव, जो आरक्षित मूल्य के 80 प्रतिशत या उससे अधिक हैं, उन्हें स्वीकृति प्रक्रिया में शामिल किया जाए। वहीं 80 प्रतिशत से कम के उच्चतम ऑफर्स को फिलहाल होल्ड पर रखा जाएगा। ऐसे आवेदकों को दोबारा ईएमडी जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी।

अब तक 1200 समूहों की नीलामी

29 मार्च तक 1200 समूहों की नीलामी पूरी हो चुकी है, जिससे लगभग 15,409.94 करोड़ रुपए का राजस्व तय हुआ है। यह आरक्षित मूल्य से 3.61 प्रतिशत अधिक है। वित्तीय वर्ष 2025-26 की तुलना में इसमें 24.34 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य स्तर पर 19,952.89 करोड़ रुपए के लक्ष्य में से अब तक 77.23 प्रतिशत नीलामी हो चुकी है, जबकि करीब 5,080.35 करोड़ रुपए का कार्य अभी शेष है। विभाग को उम्मीद है कि लगातार ई-टेंडर प्रक्रिया के जरिए राजस्व में स्थिर बढ़ोतरी बनी रहेगी।

समूह और इकाई स्तर पर होगी नीलामी

इस चरण में शराब दुकानों की नीलामी समूह के साथ-साथ समूह में शामिल प्रत्येक दुकान के लिए अलग-अलग भी की जाएगी। राजस्व संतुलन बनाए रखने के लिए जिला समितियां सीमित संख्या में समूहों का पुनर्गठन करेंगी, जिसे आबकारी आयुक्त की मंजूरी जरूरी होगी। जिन जिलों का आरक्षित मूल्य 200 करोड़ रुपए से अधिक है, वहां किसी भी समूह का मूल्य जिले के कुल आरक्षित मूल्य के 20 प्रतिशत से ज्यादा नहीं रखा जाएगा।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

हिंदी रंगमंच को लेकर हमारे समाज में एक अजीब सी रूमानी किस्म की सहानुभूति है

हिंदी रंगमंच को लेकर हमारे समाज में एक अजीब सी रूमानी किस्म की सहानुभूति है, जो अक्सर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ ही खत्म हो जाती है। 3 अप्रैल का दिन हम हिंदी रंगमंच दिवस के नाम पर दर्ज तो कर लेते हैं, लेकिन क्या हम उस बेचैनी को समझ पा रहे हैं जो इस कला की जड़ों में है? 1868 में जब बनारस के मंच पर जानकी मंगल नाटक खड़ा हुआ था, तो वह कोई मनोरंजन का साधन भर नहीं था। वह एक भाषा का अपने वजूद के लिए किया गया ऐलान था। आज डेढ़ सौ साल बाद, हम उस ऐलान की गूँज को डिजिटल शोर के बीच खो चुके हैं। रंगमंच असल में मनुष्य के भीतर की उस आदिम भूख का नाम है, जो कैमरे की आंख से बचकर सीधे साक्षात इंसान से आंख मिलाना चाहती है। यह कला किसी रीटेक की मोहताज नहीं है और न ही यहाँ कोई एडिटिंग टेबल गलतियों को सुधारने के लिए बैठी है। सिनेमा हमें एक निर्मित सत्य दिखाता है, जहाँ निर्देशक तय करता है कि आपको क्या देखना है। इसके उलट रंगमंच एक लोकतांत्रिक अनुभव है। मंच पर खड़ा अभिनेता अपने पसीने, अपनी कांपती आवाज और अपनी आँखों की नमी के साथ दर्शक के सामने पूरी तरह निहत्था होता है। यही वह लाइव होने का जोखिम है, जो रंगमंच को दुनिया की सबसे जांबाज कला बनाता है। आज के दौर में जब हम पिक्सेल और स्क्रीन की परतों में इतने गहरे धंस चुके हैं कि हमें बगल में बैठे इंसान की सांसों की गर्माहट महसूस होना बंद हो गई है, तब रंगमंच हमें एक सामूहिक चेतना का हिस्सा बनाता है। यह हमें कंज्यूमर से वापस इंसान बनाने की प्रक्रिया है। जब हॉल की लाइटें बुझती हैं और मंच पर रोशनी का एक कतरा पड़ता है, तो वहां बैठा हर दर्शक उस किरदार के दर्द का साझीदार बन जाता है।हिंदी रंगमंच का इतिहास गवाह है कि इसने कभी महलों की चाटुकारिता नहीं की। भारतेंदु से लेकर हबीब तनवीर तक, नाटकों ने हमेशा सत्ता के गलियारों में चुभते हुए सवाल भेजे हैं। अंधेर नगरी का वह टके सेर वाला न्याय आज भी हमारे लोकतंत्र की सड़कों पर बदहवास घूम रहा है। आषाढ़ का एक दिन की मल्लिका का वह अंतहीन इंतज़ार आज भी हर उस व्यक्ति की कहानी है जो अपनी अस्मिता और प्रेम के बीच पिस रहा है।

सूचना
सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई आंकड़े, वास्तविकता और भविष्य

सुनील कुमार महला

नक्सलवाद भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए लंबे समय से एक गंभीर चुनौती रहा है। यह केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं है, बल्कि गहरे सामाजिक-आर्थिक असंतुलन से जुड़ी समस्या भी है। पाठकों को बताता चलूं कि नक्सलवाद मूलतः माओवाद की विचारधारा से प्रभावित है, जिसकी प्रेरणा माओ त्से तुंग से मिलती है। यह विचारधारा सशस्त्र क्रांति के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था को समाप्त करने में विश्वास रखती है। इसी कारण इसे वामपंथी उग्रवाद (लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म-एलडब्लयूई) भी कहा जाता है। वास्तव में, नक्सलवाद की शुरुआत वर्ष 1967 में नक्सलबाड़ी से हुई थी। यह एक उग्र वामपंथी आंदोलन है, जो मुख्यतः आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रों में सक्रिय रहा है। नक्सली संगठन सामाजिक असमानता, भूमि अधिकारों, गरीबी और शोषण के खिलाफ संघर्ष का दावा करते हैं, लेकिन अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हिंसक तरीकों का सहारा लेते हैं। इसके प्रमुख कारणों में गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी तथा प्रशासनिक उपेक्षा शामिल रहे हैं।यह समस्या विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न करती रही है और साथ ही निर्दोष नागरिकों एवं सुरक्षा बलों के लिए गंभीर खतरा भी बनी है। हालांकि, हाल के वर्षों में स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 30 मार्च 2026 सोमवार को लोकसभा में यह बात कही है कि कि देश में वामपंथी उग्रवाद अपने अंतिम चरण में है और बस्तर, जो कभी नक्सलियों का गढ़ माना जाता था, अब लगभग पूरी तरह मुक्त हो चुका है। सरकार ने जीरो टॉलरेंस(शून्य सहनशीलता) नीति अपनाते हुए सुरक्षा बलों-जैसे कोबरा, सीआरपीएफ और डीआरजी को सक्रिय रूप से तैनात किया है। इसके साथ ही विकास को बढ़ावा देने के लिए 12,000 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण, 580 से अधिक फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों की स्थापना और हजारों मोबाइल टावर लगाए गए हैं। बस्तर क्षेत्र में अब गांवों में स्कूलों और राशन की दुकानों का विस्तार किया जा रहा है, जो सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है।बहरहाल, यदि हम यहां पर ताज़ा आंकड़ों पर नजर डालें, तो वर्ष 2025 में देशभर में लगभग 137 नक्सली हिंसा की घटनाएं दर्ज की गई, जिनमें 52 नागरिकों और 33 सुरक्षा बलों के जवानों की मृत्यु हुई।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

सम्मेलन एक गहरे वैचारिक विमर्श और टकराव का संकेत

प्रवीण दाताराम

> हम एलजीबीटीक्यू के मौलिक अधिकारों के विरोध में नहीं हैं किंतु इनके कंधों पर रखकर भारतीय मूल्यों, देशज अधिष्ठानों, हमारी सांस्कृतिक मान्यताओं पर जिस प्रकार बंदूकें चलाई जा रही हैं उसके विरोध में हैं। भारत में पत्रिका के माध्यम से ये वैचारिक नक्सलाइट्स बहुधा ही गंद फैलाते रहते हैं। यह उनके प्रति संवेदना के लिए नहीं अपितु देश में अनावश्यक वितंडा खड़ा करने के लिए किया जाता है।
> हमें यह देखना चाहिए कि वे कौन सी छिपी हुई शक्तियाँ हैं जो भारत में बालक, बालिकाओं के लिए एक से बाथरूम चाहती हैं? ये मार्क्सिस्ट शक्तियाँ विद्यालयों के बालक बालिकाओं को एक ही हास्टल में एक ही कक्ष में रखें जाने की वकालत करती हैं। साहित्य अकादमी का यह लेखक सम्मेलन इन सब बातों की ही तो चर्चा करेगा।

भारत की सर्वोच्च साहित्यिक संस्थाओं में से एक, साहित्य अकादमी द्वारा सम्मेलन का आयोजन एक गहरे वैचारिक विमर्श और टकराव का संकेत है। दुखद है कि यह सम्मेलन संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, के तत्वावधान में हो रहा है। संस्कृति मंत्रालय को यह देखना चाहिए कि क्या हमारी संस्कृति के सभी सिरमौर विषयों पर क्या साहित्य अकादमी ने चर्चा सम्पन्न करा ली है? केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय को इस साहित्य आकादमी से पूछना होगा, कि भारतीय ज्ञान परंपरा की कितनी चर्चा और कितने लेखक सम्मेलन 'साहित्य अकादमी' ने करा लिए हैं? क्या हमारे सभी ज्वलंत और आवश्यक सांस्कृतिक प्रश्न उत्तर पा चूकें है जो इस प्रकार के विषय को चर्चा केंद्र में रखने का निर्णय लिया गया? प्रश्न यह नहीं है कि किसी विषय पर चर्चा क्यों हो रही है, बल्कि यह है कि किन विषयों को प्राथमिकता दी जा रही है और उसके पीछे कौन-सी वैचारिक शक्तियाँ सक्रिय हैं? हम एलजीबीटीक्यू के मौलिक अधिकारों के विरोध में नहीं हैं किंतु इनके कंधों पर रखकर भारतीय मूल्यों, देशज अधिष्ठानों, हमारी सांस्कृतिक मान्यताओं पर जिस प्रकार बंदूकें चलाई जा रही हैं उसके विरोध में हैं। नक्सलाइट्स बहुधा ही गंद फैलाते रहते हैं। यह उनके प्रति संवेदना के लिए नहीं अपितु देश में अनावश्यक वितंडा खड़ा करने के लिए किया जाता है। हमें यह देखना चाहिए कि वे कौन सी छिपी हुई शक्तियाँ हैं जो भारत में बालक, बालिकाओं के लिए एक से बाथरूम चाहती हैं? ये मार्क्सिस्ट शक्तियाँ विद्यालयों के बालक बालिकाओं को एक ही हास्टल में एक ही कक्ष में रखें जाने की वकालत करती हैं। साहित्य अकादमी का यह लेखक सम्मेलन इन सब बातों की ही तो चर्चा करेगा। इसका लक्ष्य केवल भारतीय परंपराओं पर तोप दागना ही तो होगा। गे और लेस्बियन सेक्स के ऊपर लेखक सम्मेलन में किस प्रकार की चर्चा आएगी, इसकी कल्पना से हृदय सिहर उठता है। लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल, ट्रांसजेंडर और क्वीर की चर्चा केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान वाले, साहित्य अकादमी के आयोजन में आना एक खतरनाक वैचारिक विस्फोट है। यह वैचारिक बारूदी सुरंगें हैं जो हमारे वैचारिक अधिष्ठान के नीचे लगातार बिछाई जा रही हैं।

ट्रांसजेंडर या किन्नर समाज के प्रति सदैव ही हमारे भारतीय समाज का, शास्त्रों का, ऋषि परंपरा का संवेदनशील मंतव्य रहा है। ये हमारी परंपराओं में स्थायी रूप से सम्मानपूर्वक बसे हैं। समय के साथ-साथ इनके विषय में आवश्यक निर्णय लिए जाने चाहिए, जो कि शासन से लेकर समाज तक लिए भी गए हैं। किंतु ट्रांसजेंडर के अतिरिक्त ये जो गे, लेस्बियन क्वीर आदि हैं इनका स्थान हमारे समाज में कहाँ होना चाहिए? आज भारत में एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि यह पूरा विमर्श तथाकथित कल्चरल मार्क्सिज़्म की रणनीति का हिस्सा है। इस विचारधारा का मूल उद्देश्य हमारे समाज की पारंपरिक संरचनाओं, परिवार, धर्म, संस्कृति और नैतिकता, को धीरे-धीरे दुर्बल करना ही है। हमारी ऋषि परंपरा और सनातनी संस्कृति को हटाकर उनकी जगह एक नए प्रकार की वैचारिक संरचना स्थापित करना ही ऐसे आयोजनों का लक्ष्य होता है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय को इस देशज वर्ग के विचारों का आदर करते हुए इस विषय को साहित्य अकादमी के आयोजन से अलग करवाना चाहिए।

भारतीय संस्कृति की जड़ें अत्यंत गहरी और संतुलित हैं। यहाँ मनुष्य को केवल उसकी इच्छाओं या प्रवृत्तियों के आधार पर नहीं, बल्कि उसके धर्म, कर्तव्य और सामाजिक उत्तरदायित्व के आधार पर देखा गया है। ऋषि परंपरा ने जीवन को चार पुरुषार्थ - धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष - में संतुलित किया है। इस व्यवस्था में 'काम' मर्यादा और संतुलन के भीतर है, न कि उच्छृंखल अभिव्यक्ति के रूप में। 'काम आनंद' की एक परिपूर्ण परिभाषा, परिधि, प्रतीति, अभिव्यक्ति हमारे पास युगों से हैं। हमारी 'विवाह संस्था' को चोटिल करने का दुष्प्रयास है यह लेखक सम्मेलन। हमारी चिति पर यह नई विध्वंसक मान्यताएँ लादकर वैचारिक बलात्कार किया जा रहा है? LGBTक्वजैसे विषयों को जिस प्रकार से आज शो आफ किया जा रहा है, वह भारतीय दृष्टिकोण से अधिक पश्चिमी अवधारणाओं से प्रेरित है। यह केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं है, सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक मूल्यों पर भी इसका प्रत्यक्ष दुष्प्रभाव पड़ता है। इस दुष्प्रभाव की चिंता करनी चाहिए। यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि देश में राजनीतिक स्तर पर परिवर्तन हुआ है और राष्ट्रवादी विचारधारा को समर्थन मिला है। लेकिन क्या वास्तव में व्यवस्था बदली है? हमारी शासन व्यवस्था राष्ट्रीयता की उपेक्षा क्यों करती है? अनजाने में हमारी सत्ता क्यों पश्चिमी मूल्यों की पक्षधर बनकर खड़ी हो जाती है? यह एक गंभीर प्रश्न है।कई उदाहरण यह संकेत देते हैं कि शैक्षणिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक संस्थानों में अब भी वामपंथी विचारधारा का गहरा प्रभाव बना हुआ है। चाहे विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम हों, इतिहास लेखन हो या साहित्यिक संस्थाओं के कार्यक्रम, बहुधा वही दृष्टिकोण प्रमुख होता है जो भारत की परंपरागत मान्यताओं से भिन्न है और उसके विरोध में है। साहित्य अकादमी का यह निर्णय भी इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। प्रश्न स्वाभाविक है कि जब देश में ग्रामीण साहित्य, वेद-उपनिषद, भारतीय भाषाओं के संरक्षण, या राष्ट्रीय साहित्य को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, तब विषय को प्राथमिकता क्यों दी जा रही है?भारत का कथित बुद्धिजीवी वर्ग सदैव ही स्वयं को प्रगतिशील और उदारवादी बताता है, लेकिन इसके विचारों में एक स्पष्ट झुकाव वामपंथी सोच की ओर होता है। यह वर्ग भारतीय परंपराओं को पिछड़ा बताने में संकोच नहीं करता, जबकि पश्चिमी विचारों को आधुनिकता का प्रतीक मानता है। यह वही वर्ग है जो रामायण और महाभारत पर प्रश्न उठाता है। यह वर्ग परंपरागत परिवार व्यवस्था को चुनौती देता है। यह वर्ग भारतीय संस्कृति को पितृसत्तात्मक या रूढ़िवादी कहकर खारिज करने का प्रयास करता है।कल्चरल मार्क्सज्म की अवधारणा यह कहती है कि यदि किसी समाज को बदलना है, तो उसकी संस्कृति को बदलें। भारत में यह प्रक्रिया धीरे-धीरे विभिन्न माध्यमों से चल रही है, फिल्मों, वेब सीरीज, शिक्षा और अब साहित्यिक मंचों के माध्यम से।

बड़ा ही सीधा सा उद्देश्य है इनका। हमारे पारंपरिक मूल्यों को पुराना और अप्रासंगिक साबित करना, नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से दूर करना, और जड़विहीन पहचान निर्मित करना।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) - साभार

मनुष्य का जीवन भोग और विलास के लिए नहीं है...

कांतिलाल मांडोत

> सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि व्यसन हमारे लिए हानिकारक है और हमें इसे छोड़ना ही होगा। इसके बाद हमें अपने जीवन में सकारात्मक आदतों को शामिल करना चाहिए, जैसे नियमित व्यायाम, ध्यान, अध्ययन और अच्छे लोगों का संग। यह सब हमें व्यसन से दूर रखने में सहायक होते हैं।साथ ही समाज और सरकार को भी इस दिशा में प्रयास करने होंगे। व्यसन मुक्ति के लिए जागरूकता फैलाना, नशा विरोधी अभियान चलाना और युवाओं को सही दिशा देना अत्यंत आवश्यक है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण भूमिका व्यक्ति की स्वयं की होती है। जब तक व्यक्ति स्वयं नहीं जागेगा, तब तक कोई भी प्रयास सफल नहीं हो सकता।अंततः यही कहा जा सकता है कि जीवन का वास्तविक आनंद पुरुषार्थ में है, व्यसन में नहीं। जो व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहता है।

मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ और अमूल्य है। यह केवल भोग-विलास या क्षणिक सुखों के लिए नहीं मिला, बल्कि आत्मोन्नति, समाज कल्याण और परम शांति की प्राप्ति के लिए प्राप्त हुआ है। फिर भी आज का मनुष्य अपने वास्तविक लक्ष्य से भटकता जा रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है व्यसन। व्यसन केवल एक आदत नहीं है, यह एक ऐसा जाल है जो धीरे-धीरे मनुष्य की चेतना, शक्ति और अस्तित्व को निगल जाता है। इसके विपरीत पुरुषार्थ वह शक्ति है जो मनुष्य को ऊँचाइयों तक पहुँचाती है। इसलिए आवश्यक है कि हम पुरुषार्थ को जगाएं और व्यसनों का त्याग करें।इतिहास गवाह है कि जिसने पुरुषार्थ को अपनाया, उसने असंभव को संभव कर दिखाया। एक साधारण व्यक्ति भी अपने परिश्रम और दृढ़ संकल्प से महान बन सकता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण महात्मा गांधी हैं। जेल में रहते हुए भी उन्होंने अपने कार्य के प्रति जो निष्ठा दिखाई, वह उनके पुरुषार्थ का परिचायक था। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि मनुष्य अपने पुरुषार्थ को नहीं छोड़ता, तो सफलता स्वयं उसके चरण चूमती है।

इसके विपरीत जो व्यक्ति व्यसनों के अधीन हो जाता है, उसका जीवन धीरे-धीरे अंधकार में डूबने लगता है। व्यसन मनुष्य की बुद्धि को भ्रष्ट करता है, उसकी सोचने-समझने की क्षमता को समाप्त करता है और उसे गलत निर्णयों की ओर धकेलता है। शराब, तंबाकू, नशा, जुआ और अन्य दुर्व्यसन केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि आत्मा को भी कमजोर कर देते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि व्यसन मृत्यु का द्वार है, क्योंकि यह मनुष्य को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है।

आज समाज में व्यसनों का विस्तार एक भयावह रूप ले चुका है। हर गली, हर मोड़ पर व्यसनों का बाजार सजा हुआ है। युवा पीढ़ी विशेष रूप से इसकी चपेट में आ रही है। शुरुआत में यह केवल एक प्रयोग के रूप में शुरू होता है, लेकिन धीरे-धीरे यह लत बन जाता है और फिर व्यक्ति इसके बिना जी नहीं पाता। वह अपनी इच्छाओं का दास बन जाता है और उसका आत्मबल समाप्त हो जाता है। यही कारण है कि व्यसन को आत्मा के लिए घातक और जानलेवा कहा गया है।

व्यसन का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, यह उसके परिवार, समाज और पूरे राष्ट्र को प्रभावित करता है। एक व्यसनी व्यक्ति अपने कर्तव्यों को भूल जाता है, अपने परिवार की जिम्मेदारियों से मुँह मोड़ लेता है और आर्थिक रूप से भी कमजोर हो जाता है। इससे परिवार में तनाव, कलह और दुःख का वातावरण बनता है। समाज में अपराध बढ़ते हैं और राष्ट्र की प्रगति बाधित होती है। इस प्रकार व्यसन केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय समस्या भी है।

इसके विपरीत पुरुषार्थ वह शक्ति है जो मनुष्य को इन सभी बुराइयों से बचाती है। पुरुषार्थ का अर्थ केवल शारीरिक परिश्रम नहीं है, बल्कि मानसिक दृढ़ता, आत्मसंयम और सकारात्मक सोच भी है। जो व्यक्ति अपने मन और इंद्रियों पर नियंत्रण रखता है, वही सच्चा पुरुषार्थी होता है। वह कठिनाइयों से नहीं डरता, बल्कि उनका सामना करता है और उन्हें अवसर में बदल देता है।

भगवान महावीर ने भी पुरुषार्थ और आत्मसंयम पर विशेष बल दिया है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने भीतर की शक्तियों को पहचानना चाहिए और उन्हें सही दिशा में लगाना चाहिए। उन्होंने व्यसनों से दूर रहने और संयमित जीवन जीने का संदेश दिया। उनके अनुसार सच्ची स्वतंत्रता वही है, जो मनुष्य को अपने मन और इंद्रियों पर विजय प्राप्त करने से मिलती है।

आज आवश्यकता है कि हम अपने जीवन में इस सत्य को समझें और अपनाएं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि व्यसन हमें केवल विनाश की ओर ले जाते हैं, जबकि पुरुषार्थ हमें विकास और उन्नति की ओर ले जाता है। हमें अपने जीवन में ऐसे संकल्प लेने होंगे, जो हमें व्यसनों से दूर रखें और पुरुषार्थ के मार्ग पर आगे बढ़ाएं।व्यसन छोड़ना आसान नहीं है, लेकिन यह असंभव भी नहीं है। इसके लिए दृढ़ इच्छा शक्ति और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है। सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि व्यसन हमारे लिए हानिकारक है और हमें इसे छोड़ना ही होगा। इसके बाद हमें अपने जीवन में सकारात्मक आदतों को शामिल करना चाहिए, जैसे नियमित व्यायाम, ध्यान, अध्ययन और अच्छे लोगों का संग। यह सब हमें व्यसन से दूर रखने में सहायक होते हैं।साथ ही समाज और सरकार को भी इस दिशा में प्रयास करने होंगे। व्यसन मुक्ति के लिए जागरूकता फैलाना, नशा विरोधी अभियान चलाना और युवाओं को सही दिशा देना अत्यंत आवश्यक है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण भूमिका व्यक्ति की स्वयं की होती है। जब तक व्यक्ति स्वयं नहीं जागेगा, तब तक कोई भी प्रयास सफल नहीं हो सकता।अंततः यही कहा जा सकता है कि जीवन का वास्तविक आनंद पुरुषार्थ में है, व्यसन में नहीं। जो व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहता है, उसे व्यसनों का त्याग करके पुरुषार्थ का मार्ग अपनाना होगा। यही मार्ग उसे सच्ची सफलता, शांति और संतोष प्रदान करेगा।इसलिए आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने जीवन से सभी प्रकार के व्यसनों को दूर करेंगे और पुरुषार्थ को अपनाकर अपने जीवन को महान बनाएंगे। यही हमारे जीवन की सच्ची दिशा और उद्देश्य होना चाहिए। (यह लेखक के निजी विचार हैं)-

शब्द पहेली - 8685

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	8		9		■	■	
10			■		■	11		
■	■	12		■	13		■	■
14			■	15	■	16		17
	■	■	18		19		■	
20	21	■		■		■	22	
■	23			■	24			■

बाएँ से दाएँ

1. कवि की रचना, गजल-3
3. अनुमान, अंदाज-3
5. सदपुरुष-2
6. अयोग्य, असंगत -2
8. स्वार्थ, लोभ-4
10. सहयोग, सहकार-3
11. उन्माद, सनक-3
12. भगवान का अराधक-2
13. ठंडक, शीतलता-2
14. दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16. चांदी-3
18. गंवारपन, अशिष्टता-4
20. पैंदा, तला-2
22. वर्तमान दिन-2
23. बहने का भाव-3
24. गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर, फन, आर्ट-2
2. बल, दम, जोर-3
3. समीप, नजदीक-3
4. गलत का विलोम-2
5. भ्रम, संदेह-3
7. उपनदी, कैनाल-3
8. नशे से भरपूर-4
9. लाख, सौ हजार-2
11. स्वभाव, आदत-4
14. स्वास्थ्य-3
15. इस जगह-2
17. तहजीब, शिष्टता-3
18. इकट्ठा होना-3
19. रेखा, लाइन-3
21. होठ, अधर-2
22. आगमन-2

शब्द पहेली - 8684 का हल

स	ह	ल	ज	■	■	कु	ली	न
रि	■	■	र	सा	त	ल	■	फा
ता	ना	■	■	ग	म	■	■	स
■	जा	म	■	र	■	■	स	त
■	य	म	ज	■	आ	रा	म	■
ह	ज	■	■	ह	■	न	त	■
ज	■	■	क	र	■	■	ल	ब
र	■	स	ला	म	त	■	■	द
त	बा	ही	■	■	य	की	न	न

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

3 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मीन में
चंद्र	तुला में
मंगल	मीन में
बुध	कुंभ में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मेष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मेष	06.28 बजे से
वृष	08.08 बजे से
मिथुन	10.06 बजे से
कर्क	12.20 बजे से
सिंह	14.36 बजे से
कन्या	16.48 बजे से
तुला	18.58 बजे से
वृश्चिक	21.13 ब.से
धनु	23.29 बजे से
मकर	01.34 बजे से
कुंभ	03.21 बजे से
मीन	04.54 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 93 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 08.43 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 19.25 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 14.09 बजे को समाप्त।
करण कौलव 08.43 बजे तदनन्तर तैतिल 21.23 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 14.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 14'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872668
जूलियन दिन 2461133.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 14

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55	से 07.23	बजे तक	रोग	05.38	से 07.1	बजे तक
लाभ	07.23	से 08.51	बजे तक	काल	07.11	से 08.43	बजे तक
अमृत	08.51	से 10.19	बजे तक	लाभ	08.43	से 10.15	बजे तक
काल	10.19	से 11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15	से 11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से 01.15	बजे तक	शुभ	11.47	से 01.19	बजे तक
रोग	01.15	से 02.43	बजे तक	अमृत	01.19	से 02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43	से 04.10	बजे तक	चर	02.51	से 04.23	बजे तक
चर	04.10	से 05.38	बजे तक	रोग	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

गुण्डागर्दी और मारपीट के फरार आरोपियों को भेजा गया जेल

अनूपपुर। कोतवाली अनूपपुर पुलिस ने अवैध वसूली और गुण्डागर्दी के फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक कार्रवाई शुरू कर दी है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम एवं एसडीओपी नवीन तिवारी के मार्गदर्शन में की गई। 17 मार्च 2026 की रात लगभग 8 बजे, फरियादी अभिजीत सिंह के साथ अनीश पटेल, शिब्बू पटेल, मुकेश पटेल और गंगाराम पटेल ने अवैध उगाही के लिए गुण्डागर्दी और मारपीट की। इस घटना की रिपोर्ट कोतवाली में अपराध क्र. 176/26 धारा 119(1), 296बी, 115(2), 351(2), 3(5) बी.एन.एस. में दर्ज की गई। उसी दिन रात्री 11.30 बजे, अमित कुमार शुक्ला के साथ भी समान प्रकार की घटना हुई, जिसकी रिपोर्ट अपराध क्र. 175/26 में पंजीबद्ध की गई।

पुलिस ने पकड़ा अवैध पशु तस्करी का पिकअप, 4 भैंसों को रेस्क्यू किया

अनूपपुर - थाना भालूमाड़ा पुलिस ने दिनांक 31 मार्च 2026 की रात्रि को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध पशु तस्करी का भंडाफोड़ किया। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक पिकअप वाहन में क्रूरता पूर्वक चार नग पडवा भैंसें लदी हुई हैं।
सूचना मिलते ही पुलिस ने क्षेत्र में घेराबंदी कर पिकअप को चेक किया। मौके पर तीन पडवा और एक भैंस वाहन में लदी मिली, जबकि वाहन चालक मौके से भाग गया। जांच में सामने आया कि सभी मवेशियों को रस्सी से क्रूरता पूर्वक बांधकर रखा गया था। थाना भालूमाड़ा पुलिस ने 11, 4, 6, 6क, 9(1), 10 और 11 धाराओं के तहत म.प्र. कृषक पशु संरक्षण अधिनियम एवं पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत अपराध क्रमांक 108/2026 दर्ज किया। आरोपी का पता लगाने की प्रक्रिया जारी है। जप्त की गई सामग्री में एक बिना नंबर की सफेद रंग की पिकअप और चार नग पडवा भैंसें शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 6,50,000 रुपये आंकी गई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के तहत जल स्रोत सेवा समागम कार्यक्रम आयोजित

डिंडौरी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड अमरपुर, जिला डिंडोरी (म.प्र.) के तत्वाधान में जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत जल स्रोत सेवा समागम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला समन्वयक धर्मेंद्र सिंह चौहान एवं ब्लॉक समन्वयक अमरलाल धुर्वे के मार्गदर्शन में आज 01 अप्रैल 2026 को आयोजित हुआ। चयनित नवांकुर संस्था बाल विकास विद्या मंदिर समिति अमरपुर के तत्वाधान में सेक्टर क्रमांक 02, ग्राम अमरपुर स्थित बाल विकास विद्या मंदिर हाई स्कूल अमरपुर में अभियान के द्वितीय चरण के तहत जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में ब्लॉक समन्वयक अमरलाल धुर्वे, नवांकुर संस्था समन्वयक अरविंद कुमार यादव, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, ग्रामवासी एवं पालकगण उपस्थित रहे। सभी ने जल संरक्षण के महत्व को समझते हुए जल बचाने और जल स्रोतों के संवर्धन का संकल्प लिया।

जिले में हनुमान प्रकटोत्सव की धूम 'जय श्रीराम' के जयघोष से गूंजा शहर

मंदिरों में सुबह से उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, दोपहर में विशाल भंडारे; सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन अलर्ट, 35 स्थानों पर बड़े आयोजन

विजय मत, अनूपपुर

जिलेभर में गुरुवार को चैत्र शुक्ल पूर्णिमा के अवसर पर अंजनी पुत्र हनुमान का प्रकटोत्सव पर्व हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय सहित कोतमा, जैतहरी, अमरकंटक, राजेंद्रग्राम और बिजुरी सहित शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। 'जय श्रीराम' के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

जिला मुख्यालय स्थित पांडवकालीन मारुति शिव मंदिर श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा, जहां दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। वहीं तिपान नदी स्थित हनुमान मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना आयोजित की गई। पुरानी बस्ती के केशरीनंदन मंदिर और रेलवे स्टेशन परिसर के बाल हनुमान मंदिर में रामायण पाठ के समापन के बाद महाआरती हुई।

आदर्श रेलवे कॉलोनी स्थित शीतला माई सिद्ध बाल हनुमान मंदिर में सुबह हवन-पूजन संपन्न हुआ। इसके बाद दोपहर में शहर के विभिन्न स्थानों पर विशाल भंडारों का आयोजन किया गया, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

प्रकटोत्सव के उपलक्ष्य में शाम को नगर के प्रमुख मार्गों से भव्य शोभायात्रा और चल समारोह निकाला जाएगा। बिजुरी के कोरजा स्थित लंगड़ा दादा हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ के साथ विशेष पूजा-अर्चना की गई। यहां दोपहर बाद भंडारे और शाम को शोभायात्रा का आयोजन प्रस्तावित है।

जिला मुख्यालय में पांच प्रमुख स्थानों पर बड़े कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। आयोजनों को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस अलर्ट मोड पर है। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल तैनात किया गया है, वहीं ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है।

श्रद्धालुओं की भीड़ को ध्यान में रखते हुए मंदिरों में बैरिकेडिंग की विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि दर्शन सुगम हो सके। पुलिस अधीक्षक मोतिउर रहमान ने बताया कि जिले में 35 स्थानों पर प्रशासनिक अनुमति से बड़े कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं, जबकि सैकड़ों छोटे-बड़े आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में भी हो रहे हैं। इसके लिए जिले के सभी थाना क्षेत्रों के साथ पीटीएस उमरिया से अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

अनूपपुर के दो विद्यार्थी 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के तहत नागालैंड भ्रमण पर रवाना

अनूपपुर। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' अंतर्गत सांस्कृतिक आदान-प्रदान और युवाओं को देश की विविधताओं से जोड़ने के उद्देश्य से अनूपपुर जिले के दो विद्यार्थियों का चयन नागालैंड के शैक्षणिक भ्रमण के लिए किया गया है। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने चयनित विद्यार्थियों कुमारी अनुराधा गुप्ता एवं श्री पन्नालाल चौधरी को इस उपलब्धि पर बधाई दी और उनके सफल एवं ज्ञानवर्धक भ्रमण के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की। कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि चयनित विद्यार्थियों की भोपाल तक की यात्रा और वहां से नागालैंड रवानगी के दौरान सुरक्षा एवं सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे भ्रमण से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास होता है और वे देश की विभिन्न संस्कृतियों, कलाओं एवं परंपराओं को प्रत्यक्ष रूप से समझने में सक्षम होते हैं। विद्यार्थियों का भ्रमण 02 से 06 अप्रैल 2026 तक होगा। यात्रा की शुरुआत भोपाल से दीमापुर (हवाई मार्ग) से होगी और वापसी दीमापुर से दिल्ली एवं दिल्ली से भोपाल तक 'वन्दे भारत एक्सप्रेस' द्वारा की जाएगी। विद्यार्थियों के साथ संभाग स्तर से नियुक्त शिक्षक दल भी मार्गदर्शन एवं सुरक्षा हेतु उपस्थित रहेंगे। इस पांच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थी नागालैंड की अद्वितीय जनजातीय संस्कृति, ऐतिहासिक स्थल और शैक्षणिक नवाचारों का अवलोकन करेंगे। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से अपेक्षा की है कि वे अनुभवों को सीखकर जिले के अन्य विद्यार्थियों के साथ साझा करें।

सड़क निर्माण में संबंधित फर्म के द्वारा लापरवाही बार बार करने पर जिला प्रशासन की सख्त कार्यवाही

विजय मत, डिंडौरी

कार्यालय कलेक्टर डिंडोरी द्वारा शहपुरा-डिंडौरी मार्ग पर सड़क निर्माण कार्य में अनियमितताओं एवं अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन के संबंध में संबंधित ठेकेदार फर्म को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

संबंधित फर्म द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 के अंतर्गत शहपुरा-डिंडौरी खंड में किए जा रहे निर्माण कार्य में गुणवत्ता संबंधी गंभीर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा भी निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर असंतोष व्यक्त किया गया। साथ ही सोशल मीडिया में वायरल समाचारों के आधार पर भी निर्माण कार्य में मानकों

की अनदेखी सामने आई है।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि निर्माणाधीन पुल पुलिया के पास कार्य में निर्धारित गुणवत्ता का पालन नहीं किया जा रहा है तथा बिना पर्याप्त मजबूती के पाइप डालकर निर्माण किया जा रहा है। यह कृत्य अनुबंध की शर्तों एवं ÷ठेकेदार के दायित्व के प्रावधानों का उल्लंघन है। लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री टीम द्वारा 31 मार्च 2026 को स्थल निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है, जिसमें कार्य में खामियां पाई गई हैं।

कलेक्टर ने समस्या को गंभीरता से लेते हुए संबंधित फर्म से स्पष्ट कारण बताने के निर्देश दिए हैं कि क्यों न अनुबंध की धारा 23 के अंतर्गत अनुबंध निरस्त कर फर्म को ब्लैकलिस्ट किया जाए। इस संबंध में फर्म को 7 अप्रैल 2026 तक उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। समयसीमा में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं करने की स्थिति में एकपक्षीय कार्रवाई की जाएगी।

इस संबंध में प्रमुख अभियंता एवं संबंधित अधिकारियों को भी आवश्यक कार्यवाही हेतु सूचित किया गया है।

शासकीय भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाया गया

विजय मत, डिंडौरी

जिले के ग्राम करौंदी मॉल में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जे के विरुद्ध प्रशासन द्वारा कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाया गया। यह कार्रवाई कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी के निर्देशानुसार संयुक्त टीम द्वारा की गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम करौंदी मॉल में जगदीश पिता बनावल एवं अन्य द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण किया गया था। उक्त भूमि पर एनएच-45 सागर टोला से कबीरचबूतरा तक सड़क निर्माण कार्य प्रस्तावित है। प्रशासन द्वारा संबंधित व्यक्तियों को पूर्व में दो बार अवैध निर्माण हटाने के लिए सूचना दी गई थी। साथ ही 25 मार्च 2026 को ग्रामवासियों, राजस्व अधिकारियों एवं राष्ट्रीय राजमार्ग के कर्मचारियों की उपस्थिति में अतिक्रमण हटाने हेतु तीन दिवस का समय भी प्रदान किया गया था।

निर्धारित समयावधि के पश्चात भी अवैध निर्माण नहीं हटाए जाने पर आज 02 अप्रैल 2026 को प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए कार्यवाही की। नायब तहसीलदार करंजिया श्री आशुतोष मिश्र, राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के एई एवं ईई एनएच जबलपुर, राजस्व निरीक्षक, पटवारी तथा कोटवारों की मौजूदगी में संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाया गया।

जनगणना 2027 की तैयारी तेज: डिण्डौरी में फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

विजय मत, डिंडौरी

भारत की आगामी जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत जिले में फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हो गया है। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय पर आयोजित इस प्रशिक्षण में अधिकारियों और कर्मचारियों को जनगणना के महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी जा रही है।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य फील्ड ट्रेनर्स को तकनीकी एवं व्यावहारिक रूप से दक्ष बनाना है, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में गणनाकारों एवं पर्यवेक्षकों को प्रभावी प्रशिक्षण दे सकें। कार्यक्रम के दौरान जनगणना के प्रथम चरण में होने वाले मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग), परिवार पंजीयन तथा डेटा संकलन की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया जा रहा है। साथ ही डिजिटल तकनीकों के उपयोग पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रतिभागियों को मोबाइल एप के संचालन, ऑनलाइन डेटा एंट्री और आधुनिक तकनीकी माध्यमों के जरिए सटीक जानकारी संकलन की ट्रेनिंग दी जा रही है। प्रशिक्षण में व्यवहारिक अभ्यास, प्रेजेंटेशन और प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान भी किया जा रहा है, जिससे वे कार्य को बेहतर ढंग से समझ सकें। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने निर्देश दिए हैं कि सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को पूरी गंभीरता, पारदर्शिता और सटीकता के साथ संपादित करें, ताकि डिण्डौरी जिले का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहे।

सिविल सोसाइटी की मदद से जनहितैषी पहल को मिलती है मजबूती: सीईओ जिला पंचायत

विजय मत, अनूपपुर

जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी ने कहा है कि सिविल सोसाइटी की मदद से सरकार की जनहितैषी पहल को मजबूती मिलती है ग्रामीण क्षेत्र में सिकल सेल तथा 3 वर्ष से छोटे बच्चों के लिए संचालित फुलवारी केंद्र स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था गनियारी का कार्य सराहनीय है। उक्ताशय के विचार जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी ने पुष्पराजगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत करपा में सीटीसी भवन में जन स्वास्थ्य सहयोग का गनियारी द्वारा स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य उपकरण वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गणेश

पाण्डेय,महिला बाल विकास की सहायक संचालक मंजूषा शर्मा,बीएमओ डॉ आरके वर्मा,ग्राम पंचायत करपा के सरपंच हीरा सिंह सहित स्वास्थ्य अधिकारी,जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के जिला समन्वयक विनय विश्वकर्मा एवं टीम के सदस्य आकांक्षी ब्लॉक पुष्पराजगढ़ के फैलो राजस्विनी शर्मा, सुपरवाइजर,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता,आशा कार्यकर्ता, पत्रकार तथा स्थानीय जन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ ने आंगनबाड़ी आशा कार्यकर्ताओं को कर्तव्य भाव के साथ स्वास्थ्य कार्यक्रमों का जमीनी स्तर पर समन्वय से कार्य करने निर्देशित किया। उन्होंने एचपी टीकाकरण के तहत लक्षित सभी किशोरियों को टीकाकरण के लिए घर-घर दस्तक देकर प्रोत्साहित करने की अपील की। उन्होंने आंगनवाड़ी,आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए सेवा भाव से कार्य करने प्रेरित किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि जिले के सभी 44 डिलीवरी केन्द्रो मे मानक अनुरूप स्वास्थ्य सुविधाओं की वृद्धि की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा सशक्त प्रयास किए जा रहे हैं।

जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्रो में पदस्थ अमला केंद्र को सुदृढ करने संस्था की देखभाल घर की तरह करें।

सेवा का संदेश

हेलमेट बैंक और लर्निंग लाइसेंस कैंप से लोगों को सुरक्षा और सेवा का संदेश

पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने हाथों से पिलाया शीतल जल

विजय मत, अनूपपुर

हनुमान जयंती के पावन अवसर पर अनूपपुर पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान ने जनसेवा और यातायात सुरक्षा को नई दिशा देते हुए ÷यातायात सुरक्षा एवं सेवा प्याऊ÷ का शुभारंभ किया। पुलिस अधीक्षक ने स्वयं अपने हाथों से आमजन को शीतल जल पिलाकर इस पहल का उद्घाटन किया, जिसे शहरवासियों ने हर्षोल्लास और उत्साह के साथ सराहा।

सेवा, सुरक्षा और जागरूकता का संगम

इस पहल की खास बात यह रही कि एक ही स्थान पर सेवा प्याऊ, हेलमेट बैंक और लर्निंग लाइसेंस कैंप का समागम किया गया। राहगीरों को निःशुल्क ठंडा पानी उपलब्ध कराने के साथ-साथ हेलमेट पहनने और सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक किया गया। वहीं, लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की सुविधा भी आमजन के लिए उपलब्ध कराई गई।

भीषण गर्मी में राहत और सुरक्षा संदेश

भीषण गर्मी में आमजन को राहत देने के उद्देश्य से शुरू किया गया यह सेवा प्याऊ न केवल प्यास बुझाएगा, बल्कि लोगों को सुरक्षित यातायात के महत्व से भी अवगत कराएगा। हेलमेट बैंक के माध्यम से ÷सुरक्षा पहले÷ का संदेश भी शहरवासियों तक पहुंचाया गया।

गणमान्य नागरिकों और पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति

इस अवसर पर थाना प्रभारी कोतवाली अरविंद जैन, थाना प्रभारी यातायात विनोद दुबे, पत्रकार बंधु और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे पुलिस की संवेदनशीलता और नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

अनूपपुर पुलिस – सेवा, सुरक्षा और समर्पण का प्रतीक

अनूपपुर पुलिस की यह पहल न केवल आमजन को राहत प्रदान करेगी, बल्कि यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में भी मददगार साबित होगी।

मिलरों को विशेष लाभ पहुँचाने के आरोपों के बीच अधिकारी और प्रशासनिक हलके हड़कंप

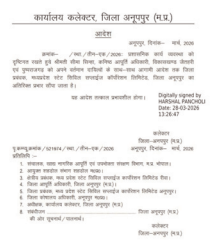

अनूपपुर। जिले की जिला आपूर्ति अधिकारी अनिता सरोते भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में फंसी हैं। धान उपार्जन के दौरान किसानों और सोसायटियों के साथ मिलीभगत, जानबूझकर फसल रिजेक्ट करवाना और एक ही मिलर को विशेष लाभ पहुँचाने के आरोपों ने प्रशासनिक हलकों में सनसनी मचा दी है।मुख्यालय भोपाल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जाँच दल में बड़ा फेरबदल किया है। अब एक उच्च स्तरीय टीम एक सप्ताह के भीतर पूरी रिपोर्ट सौंपेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि निष्पक्ष जाँच होने पर अनिता सरोते पर कड़ी कार्रवाई की संभावना है, जिससे जिले में वर्षों से जड़ जमाए भ्रष्टाचार के नेटवर्क पर भी चोट पहुंचेगी। पूर्व में इसी तरह की शिकायतों के आधार पर आउटसोर्स सुश्री मीनाक्षी गुप्ता को बर्खास्त किया गया था, लेकिन डीएसओ अनिता ने उन्हें निर्दोष ठहराया था। इस कदम ने निगम और किसानों के बीच विश्वासघात का संदेश फैलाया। विधायक बिसाहू लाल सिंह और भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने भी अधिकारियों से सख्त कार्यवाही की मांग की थी। भोपाल मुख्यालय का कड़ा रुख और जाँच दल में बदलाव इस बात का संकेत है कि शासन अब भ्रष्टाचार के मामले को फाइलों में दबाने के मूड में नहीं है। किसानों का कहना है कि उपार्जन केंद्रों पर उनके फसल रिजेक्ट करने और मिलरों को फायदा पहुँचाने की घटनाएँ लंबे समय से जारी थीं। अब देखना यह होगा कि आने वाली रिपोर्ट किस दिशा में न्याय दिलाती है।

यूज़ इन शॉर्ट

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत निशुल्क जल मंदिर प्याऊ का किया गया शुभारंभ

शहडोल। जल संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत बुढार सेक्टर क्रमांक-2 में सराहनीय पहल की गई। जन अभियान परिषद के नावांकुर संस्था एवं प्रस्फुटन समिति द्वारा ग्राम पंचायत पकड़िया एवं जैतपुर चौराहा पर दो स्थानों पर निशुल्क जल मंदिर (प्याऊ) का शुभारंभ किया गया।यह आयोजन न केवल जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा, बल्कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना को भी मजबूत करेगा। जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में इस प्रकार की गतिविधियां ग्रामीण स्तर पर जनभागीदारी को बढ़ावा दे रही हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं स्वयंसेवकों द्वारा राहगीरों एवं स्थानीय नागरिकों को शीतल पेयजल वितरित किया गया। इस पहल से क्षेत्र में गर्मी के मौसम में लोगों को राहत मिलेगी।इस अवसर पर नामांकुर संस्था की अध्यक्ष श्रीमती मीनू जैन, ग्राम पंचायत पकड़िया की प्रस्फुटन समिति की अध्यक्ष एवं सीएमसीएलडीपी विद्यार्थी लक्ष्मी सोनी, तथा पुरुषोत्तम सोनी, ग्राम पंचायत सेमरा से प्रस्फुटन समिति की अध्यक्ष एवं सीएमसीएलडीपी विद्यार्थी राधा प्रजापति, सीएमसीएलडीपी परामर्शदाता पूर्णिमा मुखर्जी, विद्यार्थी संतोषी पनिका, दीपा बर्मन, रोहिणी बर्मन तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित अन्य गणमान्य नागरिकों की सहभागिता रही।

पुस्तक मेला के सफल क्रियान्वयन संबंधित बैठक 6 अप्रैल को

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की उपस्थिति में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में 9 अप्रैल से 11 अप्रैल 2026 तक आयोजित होने जिला स्तरीय पुस्तक मेले के सफल क्रियान्वयन हेतु समीक्षा बैठक 6 अप्रैल को दोपहर 2 बजे से आयोजित की जाएगी। बैठक में संबंधितजनो को समय-सीमा में उपस्थिति होने के लिए कहा गया।

नरवाई जलाने वाले किसानों पर लगेगा पर्यावरणीय मुआवजा

शहडोल । प्रभारी उप संचालक कृषि अनुराग पटेल ने बताया कि गेहूं एवं अन्य फसलों के अवशेष (नरवाई) को खेतों में जलाना तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया गया है। ऐसा करते पाए जाने पर संबंधित कृषक/संस्था पर पर्यावरणीय मुआवजा लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के अनुसार 2 एकड़ या उससे कम भूमि धारक पर 2500 प्रति घटना 2 एकड़ से अधिक और 5 एकड़ से कम भूमि धारक पर ?5000 प्रति घटना, 5 एकड़ से अधिक भूमि धारक पर 15000 प्रति घटना का जुर्माना लगाया जाएगा। यह निर्णय मध्यप्रदेश शासन, पर्यावरण विभाग की अधिसूचना के तहत लिया गया है। फसल अवशेष जलाने से होने वाले प्रदूषण, आगजनी की घटनाओं, आमजन के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव तथा भूमि की उर्वरा शक्ति के नुकसान को ध्यान में रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163(1) के अंतर्गत उमरिया जिले में नरवाई जलाना पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है।हार्वेस्टर मशीन संचालकों के लिए निर्देशित किया गया है कि वे स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम या स्ट्रॉ-रीपर मशीन का उपयोग कर फसल अवशेषों को भूसे में परिवर्तित करें। साथ ही, फसल कटाई शुरू करने से पहले उप संचालक, किसान कल्याण एवं कृषि विकास कार्यालय में पंजीयन कराना अनिवार्य होगा।यदि कोई कृषक बिना स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम के कटाई हेतु दबाव बनाता है, तो संबंधित हार्वेस्टर संचालक को इसकी सूचना ग्राम पंचायत निगरानी समिति (पटवारी, कृषि विस्तार अधिकारी, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, ग्राम कोटवार या थाना प्रभारी) को देना होगा।आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए मशीन संचालकों को अग्निशमन उपकरण, रेत एवं पानी की व्यवस्था रखना अनिवार्य किया गया है।

समाज सेवा के प्रेरणास्रोत प्रदीप श्रीवास्तव का निधन, शोक की लहर

शहडोल।समाज सेवा और संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले सरल, सहज और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी प्रदीप श्रीवास्तव का निधन हो गया। उनके निधन की खबर से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे शहडोल जिले और सामाजिक संगठनों में शोक की लहर फैल गई है।प्रदीप श्रीवास्तव ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा समाज सेवा और संगठन के कार्यों को समर्पित किया। वे पूर्व में विभाग संघ चालक के महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन कर चुके थे। इस पद पर रहते हुए उन्होंने संगठन को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ अनेक लोगों को मार्गदर्शन दिया। उनका व्यक्तित्व अनुशासन, समर्पण और सेवा भाव का प्रतीक था।उनके संपर्क में आने वाला हर व्यक्ति उनके सरल स्वभाव और सकारात्मक सोच से प्रभावित होता था। वे हमेशा समाज के हर वर्ग के लोगों की मदद के लिए तत्पर रहते थे। उनके जाने से समाज ने एक ऐसा मार्गदर्शक खो दिया है, जिसकी भरपाई करना कठिन होगा।सामाजिक, धार्मिक और संगठनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे अपूरणीय क्षति बताया है। सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।अंतिम संस्कार की जानकारी-दिवंगत श्री प्रदीप श्रीवास्तव जी का अंतिम संस्कार 3 अप्रेल को प्रातः 10:00 बजे शांति धाम, बुढार रोड में किया जाएगा।

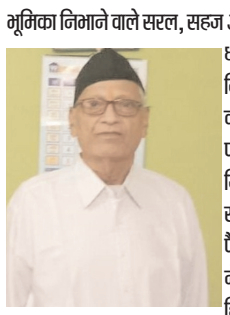

अतिक्रमण से शहर की सड़कों पर बढ़ता दबाव

वैकल्पिक व्यवस्था नहीं कर पा रही नगर पालिका, ठेला दुकानदारों के लिए स्थान तय न होने से बिगड़ रही यातायात व्यवस्था, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

विजय मत, शहडोल

नगर में अतिक्रमण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है और इसके लिए नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। शहर के प्रमुख मार्गों गांधी चौक से अहिंसा चौक, अहिंसा चौक से गुरूनानक चौक और महात्मा गांधी स्टेडियम से डिग्री कॉलेज तक सड़क किनारे ठेला, फल दुकानें और अन्य छोटे व्यवसाय संचालित हो रहे हैं। इन दुकानों के कारण सड़क की चौड़ाई कम हो गई है, जिससे आवागमन बाधित हो रहा है और आम नागरिकों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

वैकल्पिक स्थान के अभाव में बढ़ा अतिक्रमण

स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा अब तक ठेला और छोटे दुकानदारों के लिए कोई स्थायी वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है। इसके चलते दुकानदार मजबूरी में सड़कों के किनारे ही दुकान लगाने को विवश हैं। यदि प्रशासन समय रहते उचित स्थान चिन्हित कर देता, तो सड़कों पर इस तरह का अतिक्रमण नहीं फैलता और यातायात भी प्रभावित नहीं होता।

यातायात व्यवस्था हो रही प्रभावित

अहिंसा चौक से गुरूनानक चौक के बीच हालात सबसे

ज्यादा खराब नजर आते हैं। यहां सड़क पर मनमाने ढंग से वाहन खड़े किए जाते हैं और ठेला दुकानों की भीड़ के कारण शाम के समय जाम की स्थिति बन जाती है। वाहन चालकों को लंबी देर तक रुकना पड़ता है, जिससे समय की बर्बादी के साथ-साथ लोगों को मानसिक परेशानी भी झेलनी पड़ रही है।

छात्राओं और रहवासियों की बढ़ी चिंता

महात्मा गांधी स्टेडियम से डिग्री कॉलेज तक का मार्ग भी अतिक्रमण से अछूता नहीं है। इस मार्ग से गुजरने वाली छात्राओं और आसपास रहने वाले लोगों को रोजाना कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। संकरी होती सड़क और बढ़ती भीड़ के कारण दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है, जिससे अभिभावकों में भी चिंता का माहौल है।

मुनादी के बावजूद नहीं बना समाधान

नगर पालिका द्वारा बुढ़ार चौक पर मुनादी कर दुकानदारों को हटने के निर्देश दिए गए, लेकिन बिना वैकल्पिक व्यवस्था के यह प्रयास प्रभावी साबित नहीं हो रहा है। दुकानदारों का कहना है। वे नियमों का पालन करना चाहते हैं, लेकिन उनके लिए कोई निर्धारित स्थान नहीं है, जिससे वे सड़क किनारे ही व्यापार करने को मजबूर हैं।

ठेला दुकानदारों के लिए उपयुक्त स्थान निर्धारित नही

बार-बार शिकायतों और मांगों के बावजूद नगर पालिका की ओर से ठोस पहल न होने से नागरिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही ठेला दुकानदारों के लिए उपयुक्त स्थान निर्धारित नहीं किया गया, तो आने वाले समय में यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है, जिससे पूरे शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

हनुमान जयंती पर निकली भव्य शोभा रथ यात्रा, श्रद्धा और भक्ति का उमड़ा सैलाब

विजय मत, ब्यौहारी

एकल अभियान संस्था द्वारा संचालित कार्यक्रम के अंतर्गत हनुमान जयंती के पावन अवसर पर नगर ब्यौहारी में भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत वातावरण देखने को मिला।

शोभा यात्रा का शुभारंभ स्थानीय देवी मंदिर से किया गया, जो नगर के बनसुकली चरौहा एवं चुंगी नाका होते हुए राधा कृष्ण मंदिर पहुंची। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए एवं जय श्री राम और जय हनुमान के उद्घोष लगाते हुए आगे बढ़े। मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर शोभा यात्रा का स्वागत किया गया।

राधा कृष्ण मंदिर पहुंचने के पश्चात सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया तथा भगवान श्री हनुमान जी का जन्मोत्सव बड़े ही विधि-विधान और श्रद्धा के साथ मनाया गया। मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी

और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला महामंत्री इंजी. पुष्पेंद्र पटेल जी, एकल अभियान संच के सचिव श्री कमल खटीक जी, अध्यक्ष श्री रामसुशील पटेल जी, श्री जयप्रकाश बैस संच संगठन मंत्री रामज्ञान पटेल जी, वंदना कुशवाहा जी, सीमा पटेल जी सहित अनेक गणमान्य नागरिक, कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के माध्यम से समाज में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपरा एवं एकता का संदेश प्रसारित हुआ। आयोजन की सफलता में एकल अभियान संस्था के कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

2 हजार की रिश्वत में फंसा एएसआई लोकायुक्त टीम ने थाने से उठाया

विजय मत, शहडोल

शहडोल में रिश्वतखोरी के खिलाफ लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। जयसिंहनगर थाने में पदस्थ एएसआई को 2 हजार रुपये की रिश्वत मामले में लोकायुक्त टीम ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता हरी दीन साहू निवासी ग्राम गंधियां, थाना जयसिंहनगर ने 30 मार्च 2026 को लोकायुक्त कार्यालय रीवा में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि उसके भाई श्रवण कुमार साहू की सड़क दुर्घटना में बीते महीने मौत हो गई थी। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने जयसिंहनगर चौराहे पर चक्का जाम किया था, जिसके बाद पुलिस ने लगभग 18 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था। इस मामले की जांच एएसआई एहसान खान कर रहे थे।

शिकायतकर्ता के अनुसार एएसआई ने मामले में राहत देने और जमानत में मदद करने के नाम पर प्रत्येक व्यक्ति से 2500 रुपये रिश्वत की मांग की थी। शिकायत की सत्यापन कार्रवाई के दौरान यह पाया गया कि आरोपी एएसआई ने शिकायतकर्ता से 2000 रुपये रिश्वत पहले ही ले लिए थे और अन्य लोगों से भी रिश्वत की मांग कर रहा था। शिकायतकर्ता ने रिश्वत लेने की वॉइस रिकॉर्डिंग सहित साक्ष्य लोकायुक्त टीम को उपलब्ध कराए थे।

लोकायुक्त टीम गुरुवार को एएसआई को ट्रैप करने जयसिंहनगर पहुंची थी, लेकिन एएसआई को भनक लग गई और उसने मौके पर पैसे नहीं लिए। हालांकि पूर्व में रिश्वत लेने के साक्ष्यों के आधार पर लोकायुक्त टीम ने एएसआई एहसान खान को थाने से हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा सत्यापन के बाद आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन 2018) की धारा 7 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की विवेचना जारी है। इस कार्रवाई से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है।

अवैध रेत उत्खनन करते 06 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

विजय मत, शहडोल

थाना देवलोंद पुलिस द्वारा अवैध रेत उत्खनन के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए बड़ी सफलता प्राप्त की गई। पुलिस टीम अपराध विवेचना के दौरान ग्राम बुडवा एवं सथनी क्षेत्र में गश्त पर थी, तभी बनास नदी घाट पर अवैध रेत उत्खनन की सूचना प्राप्त हुई।सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां सोन नदी किनारे बड़े पैमाने पर ट्रैक्टरों के माध्यम से अवैध रेत उत्खनन किया जा रहा था। पुलिस द्वारा घेराबंदी कर दबिश दी गई, जिसके दौरान कुल 06 ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत से भरी हुई मौके से जब्त की गईं।जब्त वाहनों में पावर ट्रेक एवं सोनालिका कंपनियों के ट्रैक्टर शामिल हैं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 30,00,000 रुपये तथा ट्रॉलियों में भरी रेत की कीमत करीब 21,000 रुपये आंकी गई है। इस प्रकार कुल जब्ती लगभग 30,21,000 रुपये की है।

उक्त कार्यवाही के दौरान ट्रैक्टर चालकों एवं वाहन मालिकों को विधिवत नोटिस देकर छोड़ा गया तथा उनके विरुद्ध खनिज अधिनियम एवं अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।सराहनीय भूमिका- उक्त कार्यवाही में उप.निरी सुभाष दुबे थाना प्रभारी थाना देवलोद के नेतृत्व में, उप.निरी हरिभान सिहं, सउनि इन्द्रलाल पुरी,प्र.आर, रेयाज खान, प्र.आर. सुमित मिश्रा, प्र.आर. दिनेश शुक्ला,आर. चित्राशु शुक्ला, आर. अभिषेक तिवारी एवं आर. ओम प्रसाद तिवारी, आर. शिवेष त्रिपाठी, आर. सौरभ मिश्रा म.आर. कंचन सिहं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सड़क मार्ग से निराश्रित पशुओ को भिजवाया जाये गौशाला- कलेक्टर

शराब पीकर वाहन चालको के विरूद्ध कार्यवाही कर लाइसेंस करें निरस्त, सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

विजय मत, शहडोल

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने बैठक में अधिकारियो को निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटनाओ की रोकथाम हेतु जिले के प्रमुख सड़क मार्गों जहां वाहनों का आवागमन अधिक होता है। इनमें देवलौंद से शहडोल मार्ग, शहडोल से बुढ़ार मार्ग एवं शहडोल- डिंडौरी मार्ग में जिन स्थानों पर सड़कों में निराश्रित पशु बैठते हैं उन स्थानों को चिन्हित कर संबंधित ग्राम पंचायतों द्वारा वैकल्पिक गौशालाओं का संचालन किया जाए। ऐसे स्थल जहां पर पूर्व से ही गौशालाएं 20 किलोमीटर परिधि के भीतर संचालित हैं वहां निराश्रित पशुओं को ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकायों द्वारा गौशालाओं में पहुंचाया जाए। इन कार्यों में समाज सेवी संस्थाओं एवं एनजीओ की भी मदद ली जाए। व्यस्त मार्गों में दुर्घटना संभावित स्थानों पर स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं। तथा सड़क के किनारों में सोल्डर बनाने के साथ ही संकेतक भी लगाए जाएं।

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियो को निर्देश दिए कि वाहन चेकिंग के दौरान यातायात नियमो का उल्लंघन करने एवं शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालको के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करते हुए परिवहन विभाग द्वारा लाइसेंस निरस्त करने की भी कार्यवाही की जाएं। उन्होंने कहा कि उच्च यातायात घनत्व वाले क्षेत्रो एवं हाई रिस्क जोन वाले शहरी क्षेत्रो में या स्टेट हाइवे में क्रासिंग में आने वाले कस्बो में दुर्घटनाओ से बचाव हेतु स्पेशल स्ट्रीप बनाया जाए। उन्होंने जिले के दुर्घटना संभावित स्थानो में संकेतक बोर्ड, ब्रेकर लगाएं जाएं।

कलेक्टर ने कहा कि व्हाईट एलईडी डैजिंग लाईट का विक्रय एवं उपयोग करने वाले वाहन चालको एवं विक्रेताओ के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव ने अधिकारियो को निर्देश दिए कि यातायात नियमो का कड़ाई से पालन कराया जाएं एवं उल्लघनकर्ताओ के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि यातायात नियमो के प्रति जागरूक करने हेतु जिले में यातायात जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किये जाए। साथ ही राहगीर योजना की विस्तृत जानकारी से भी अवगत कराना सुनिश्चित करें। बैठक में सड़क दुर्घटनाओ की रोकथाम हेतु अन्य बिंदुओ पर भी विस्तृत चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गए।

लापरवाही — लापरवाही के चलते एक साल से बदहाल स्थिति, वाहनों के टायर हो रहे क्षतिग्रस्त

टूटा स्पीड ब्रेकर बना हादसों का कारण, राहगीरों की बढ़ी परेशानी

विजय मत, शहडोल

नगर के बुढार चौक से लल्लू सिंह चौक तक बनाए गए मॉडल रोड पर के-स्क्वायर के पास स्थित स्पीड ब्रेकर अब लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बन चुका है। यह स्पीड ब्रेकर मूल रूप से वाहनों की रफ्तार नियंत्रित करने और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाया गया था, लेकिन वर्तमान में इसकी खराब स्थिति ने आमजन की परेशानी को कई गुना बढ़ा दिया है। सड़क से गुजरने वाले वाहन चालकों को अब हर दिन इस टूटे हुए स्पीड ब्रेकर के कारण जोखिम उठाना पड़ रहा है।

मरम्मत के अभाव में बिगड़ती जा रही स्थिति

बताया जा रहा है कि यह स्पीड ब्रेकर पिछले करीब एक वर्ष से टूटा हुआ पड़ा है, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, कई बार इस समस्या की शिकायत संबंधित अधिकारियों से की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। समय के साथ इसकी स्थिति और खराब होती जा रही है, जिससे यह सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुका है।

बाहर निकली कीलों से बढ़ा खतरा

स्पीड ब्रेकर के क्षतिग्रस्त होने के कारण उसमें लगी लोहे की कीलें बाहर निकल आई हैं, जो सड़क पर चलने वाले वाहनों के लिए जानलेवा साबित हो सकती हैं। खासकर दोपहिया वाहन चालक इन कीलों की चपेट में आकर अक्सर टायर पंचर होने की समस्या झेल रहे हैं। कई वाहन चालकों को अचानक रास्ते में रुकना पड़ता है, जिससे न केवल उनकी यात्रा प्रभावित होती है बल्कि दुर्घटना की संभावना भी बढ़ जाती है।

घटना ने उजागर की लापरवाही

बुधवार को जयसिंहनगर निवासी दशरथ यादव इस समस्या का शिकार हो गए। वे जब इस मार्ग से गुजर रहे थे, तभी अचानक उनकी गाड़ी का टायर पंचर हो गया। जब उन्होंने गाड़ी रोककर देखा, तो पाया कि स्पीड ब्रेकर से निकली कील ने टायर को बुरी तरह फाड़ दिया था। इस घटना के चलते उन्हें बीच रास्ते में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा, जिससे प्रशासन की लापरवाही एक बार फिर उजागर हो गई।

व्यस्त मार्ग पर बढ़ता दुर्घटना का खतरा

यह सड़क शहर के प्रमुख मार्गों में से एक है, जहां दिनभर भारी संख्या में वाहनों का आवागमन बना रहता है। ऐसे में इस तरह का टूटा हुआ स्पीड ब्रेकर कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। खासकर रात के समय यह समस्या और गंभीर हो जाती है, क्योंकि अंधेरे में वाहन चालकों को इसका सही अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दुर्घटना की आशंका कई गुना बढ़ जाती है।

फीफा विश्व कप की सभी 48 टीमों तय, 12 ग्रुप में बांटा गया, 4 पहली बार हिस्सा ले रहीं

मुम्बई,एजेंसी

मेक्सिको । इसी साल जून में अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए सभी 48 टीमें तय हो गयी हैं। मेक्सिको के मॉन्टेरी में खेले गए इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ के साथ ही टीमों की घोषणा हो गयी है। करीब ढाई साल तक चली क्वालीफाइंग प्रक्रिया के बाद जहां इराक और बोस्निया ने विश्वकप के लिए जगह बनायी। वहीं चार बार की विजेता रही इटली प्रवेश हासिल नहीं कर पायी। केप वर्डे, कुराकाओ, जॉर्डन और उज्बेकिस्तान की टीम पहली बार विश्व कप में खेलेगी। इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में बोलीविया को 2-1 से हराकर इराक की टीम प्रवेश हासिल करने वाली 48 वहीं टीम बनी। वहीं पूर्व चैम्पियन इटली को बोस्निया और हर्जेगोविना ने पेनल्टी शूटआउट में हराकर बाहर कर दिया।यूरोपीय प्लेऑफ के जरिए स्वीडन ने पोलैंड को 3-2 से जबकि तुर्की ने कोसोवो को 1-0 से पराजित किया। चेक गणराज्य ने डेनमार्क को पेनल्टी शूटआउट में हराया।

विश्वकप के लिए शामिल 48 टीमों को 4-4 के 12 ग्रुपों में बांटा गया है। हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली आठ सर्वश्रेष्ठ टीमें राउंड ऑफ 32 में पहुंचेंगी। अभी तक ग्रुप राउंड के बाद सीधे राउंड ऑफ 16 होता था। अब विजेता बनने वाली टीम को पिछले विश्व कप के मुकाबले एक ज्यादा 8 मैच खेलना होगा। कुल 104 मैच इस विश्व कप में खेले जाएंगे।

ग्रुप ए:- मेक्सिको, चेक गणराज्य, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया।
ग्रुप बी:- कनाडा, बोस्निया और हर्जेगोविना, कतर, स्विट्जरलैंड।
ग्रुप सी:- ब्राजील, हैती, मोरक्को, स्कॉटलैंड।
ग्रुप डी:- संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, पैराग्वे, तुर्की।
ग्रुप ई:- कुराकाओ, इक्वाडोर, जर्मनी, आइवरी कोस्ट।
ग्रुप एफ:- नीदरलैंड, जापान, स्वीडन, ट्यूनीशिया।
ग्रुप जी:- बेल्जियम, मिस्र, ईरान, न्यूजीलैंड।
ग्रुप एच:- केप वर्डे, सऊदी अरब, स्पेन, उरुग्वे।
ग्रुप आई:- फ्रांस, नॉर्वे, सेनेगल, ईराक।
ग्रुप जे:- अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रिया, जॉर्डन।
ग्रुप के:- कोलंबिया, जमैका।

फीफा ने विश्वकप फाइनल के लिए टिकटों की कीमतें बढ़ायीं

विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल के लिए सभी श्रेणी के टिकटों की कीमतें काफी बढ़ा दी हैं। अब खिताबी मुकाबला देखने के लिए दर्शकों को 10,990 अमेरिकी डॉलर में टिकट खरीदना होगा, भारतीय रुपये में ये रकम करीब 10 लाख 23 हजार है । वहीं इससे पहले दिसंबर में टूर्नामेंट के ड्रॉ के बाद श्रेणी एक के टिकट की कीमत 8,680 डॉलर ही थी। इस प्रकार कीमतों करीब दो हजार डॉलर तक बढ़ायी गयी है। इस प्रकार देखा जाये तो फाइनल की टिकटों की कीमतें अन्य मैचों से काफी अधिक बढ़ा दी गयी हैं। इस कारण मांग अधिक होना बताय जा रहा है। अब न्यू जर्सी में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल मैच के लिए फीफा के श्रेणी दो के टिकटों की कीमत 7,380 डॉलर कर दी गई है, जो पहले 5,575 डॉलर थी। वहीं इसी तरह से श्रेणी तीन के टिकटों की कीमत 5,785 डॉलर कर दी गई है ।

वरुण चक्र वर्ती के बचाव में उतरे मुख्य कोच अभिषेक नायर

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने कहा है कि स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के फॉर्म को लेकर वह परेशान नहीं है। कोच के अनुसार वरुण एक शीर्ष स्तर के गेंदबाज हैं जो जानते हैं कि इस प्रकार के हालातों से कैसे बाहर निकला जाये। वरुण इस सत्र में अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। नायर का कहना है कि वरुण मानसिक रूप से मजबूत है और इस कठिन समय से भी निकल जाएंगे। पने करियर के एक और मुश्किल दौर से उबरने में सक्षम है।

नायर ने कहा, पिछले कुछ साल में उसे कई बार परेशानियों मुश्किलों का सामना करना पड़ा है पर वह हमेशा ही बेहतर होकर निकला है। सहयोगी स्टाफ के तौर पर हम उसका समर्थन करते हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई समस्या है। उन्होंने कहा, दूसरी टीमें उसके खिलाफ अच्छा खेल रही हैं।

इसका मतलब यह नहीं है कि वह वापसी नहीं कर सकता। उसे पहले भी इस प्राकर के हालातों का सामना करना पड़ा था। नायर ने कहा, और हम कोशिश कर रहे हैं, हम उम्मीद कर रहे हैं और हर तरह से उसका समर्थन कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि दुनिया भर के प्रशंसक भी ऐसा ही करेंगे। चाहे यह मैच हो या भविष्य में कोई और मैच, यह तय है कि वह वापसी करेगा जैसा उसने पहले भी किया है।

हार के बाद ऋषभ पर भड़के संजीव गोयनका

लखनऊ । लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम को आईपीएल के 19 सत्र में पहले ही मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली कैपिटल्स से मिली 6 विकेट की हार के बाद सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका कप्तान ऋषभ पंत पर भड़क गये। जिससे एक बार फिर 2024 आईपीएल की यादें ताजा हो गयीं जब गोयनका उस समय कप्तान रहे के एल राहुल पर भड़क गये थे। इस बार दिल्ली के खिलाफ हुए मुकाबले में लखनऊ की बल्लेबाज बेबस नजर आयी और पूरी टीम 141 रन ही बना पायी। टीम अपने 20 ओवर भी नहीं खेल पायी। सुपर जाएंट्स की इस हार के बाद का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है। इसमें टीम मालिक संजीव गोयनका ऋषभ और टीम के सहयोगी स्टार के साथ मैदान में बातें करते दिखे। वह क्या बात कर रहे हैं यह तो पता नहीं चहला है पर प्रशंसकों का मानना है कि वह अपनी भड़ास निकला रहे थे। आईपीएल 2024 के दौरान भी गोयनका का इसी प्रकार राहुल के साथ बहस करने का एक वीडियो भी आया था।

वैभव को अभी शामिल करने की जल्दी न करें :- अश्विन

चेन्नई । उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार आईपीएल के अपने पहले ही मैच में आक्रामक पारी खेली है। उसके बाद से ही कई दिग्गजों ने उसे राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की मांग की है। वैभव ने पहले ही मैच में 15 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया था। वहीं पिछले सत्र में वैभव ने 35 गेंद में शतक लगाकर अपनी पहचान बनायी थी। उसके बाद से ही वह नये नये रिकार्ड बनाते जा रहे है। इसके बाद भी अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि वैभव अभी बच्चा है और उसे इतनी जल्ही राष्ट्रीय टीम में लाने की कोई जरुरत नहीं है, इससे उसपर बेवजह दबाव ही पड़ेगा। अश्विन ने कहा कि वैभव को शामिल करने में जल्दबाजी की जरुरत नहीं है हालांकिवैभव को शामिल करने की मांग देश ही नहीं विदेश के दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों की तरफ से भी आई है।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और पंजाब में मुकाबला

शाम 7.30 बजे से होगा मैच

चेन्नई, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम शुक्रवार को आईपीएल के अपने इस सत्र के दूसरे मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी। सीएसके की टीम को इस सत्र में अपने पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर लय हासिल करना रहेगा। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलने की उम्मीद है। टीम के अनुभवी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के इस मैच में भी खेलने को लेकर संशय बना हुआ है हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है। सीएसके की पहले मैच में शुरुआत निराशाजनक रही थी। उसके बल्लेबाज रन नहीं बना पाये थे। ऐसे में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सहित सभी बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे।

सीएसके का लक्ष्य पहले मैच में मिली हार से सबक लेते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में बल्लेबाज संजू सैमसन भी बड़ी पारी खेलकर सीएसके प्रबंधन के सामने अपने को साबित करना चाहेंगे। सीएसके ने इस सत्र में ट्रेड डील के जरिये उन्हें राजस्थान रॉयल्स से खरीदा है पर वह अपने पहले मैच में प्रभावित नहीं कर पाये। इसलिए इस मैच में वह बड़ी पारी खेलकर हिसाब बराबर करना चाहेंगे। वहीं इस मैच में भी उभरते हुए बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस का खेलना संदिग्ध है। ब्रेविस मांसपेशियों के खिंचाव से उबर रहे हैं। पहले मैच में इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान को भी इस मैच में अवसर मिल सकता है। युवा कार्तिक शर्मा से इस मैच में भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

वहीं पहले मैच में विफल रहे टीम के मुख्य गेंदबाज मैट हेनरी और नूर अहमद इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। दूसरी ओर श्रेयस अय्यर की कप्तानी में उतरी पंजाब किंग्स ने पहले ही मैच में गुजरात टाइटंस को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। गुजरात के खिलाफ कूपर कॉनॉली ने तीसरे नंबर बेहतरीन बल्लेबाजी की थी जिससे भी टीम को लाभ हुआ था। अब कॉनॉली इस मैच में भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स :- श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पाइला अविनाश, शशांक सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स :- रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, खलील अहमद, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जकारी फॉल्क्स, स्पेंसर ।

ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पांच में पहुंचे समीर रिजवी, रिकेल्टन शीर्ष पर रकरार

मुम्बई, एजेंसी

आईपीएल के 19 सत्र में अब तक सभी 10 टीमों ने एक-एक मैच खेल लिया है। जहां राजस्थान रॉयल्स, रॉयल्स चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स ने अपने-अपने मुकाबले जीते हैं। वहीं गुजरात टाइटंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स, सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स को हार मिली है। है। इसी दौरान अपने प्रदर्शन से कुछ खिलाड़ी सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में भ्री शामिल हो गये हैं। दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी भी सुपरजायंट्स के खिलाफ मुकाबले में 70 रन बनाकर शीर्ष पांच में शामिल हो गये हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रयान रिकेल्टन अब तक सबसे अधिक 81 रन बनाकर ऑरेंज कैप की दौड़ में नंबर एक पर बने हुए हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान किशन 80 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं।

मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा 78 रन बनाकर तीसरे जबकि पंजाब किंग्स के कूपर कोलोनी 72 रन बनाकर चौथे नंबर पर है।

प्लेयर	रन
रायन रिकेल्टन	81
ईशान किशन	80
रोहित शर्मा	78।

व्यापार

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद सेंसेक्स 185, निफ्टी 33 अंक ऊपर आया

मुंबई,एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान पर अगले कुछ दिनों में हमले तेज करने की घोषणा के कारण आज सुबह बाजार की शुरुआत भारी गिरावट के हुई पर समय के साथ ही बाजार संभल गया और अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 185.23 अंक बढ़कर 73,319.55 पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी निचले स्तर से उबरते हुए 33.70 अंक ऊपर आकर 22,713.10 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान ही बाजार में आईटी शेयरों की तेजी से रिकवरी हुई। निफ्टी आईटी 2.60 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ जबकि निफ्टी रियल्टी 1.07 फीसदी, निफ्टी सर्विसेज 0.54 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.39 फीसदी, , निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.39 फीसदी, और निफ्टी एफएमसीजी 0.21 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.93 फीसदी, , निफ्टी फार्मा 0.92फीसदी, , निफ्टी हेल्थकेयर 0.86 फीसदी, , निफ्टी ऑयलएंडगैस 0.79 फीसदी, , निफ्टी ऑटो 0.62 फीसदी, और निफ्टी इन्फ्रा में 0.45 की गिरावट रही।

सेंसेक्स के शेयरों में इन्फोसिस, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी, टाइटन, एक्सिस बैंक, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इंडिगो, एलएंडटी और एसबीआई के शेयर लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, सन फार्मा, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और टाटा स्टील के शेयर गिरे। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में कमजोरी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 142.10 अंक की गिरावट के साथ 53,677.05 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 59.30 अंक नीचे आकर 15,650.50 पर था।आज शुरुआती कारोबार में भारी गिरावट देखी पर सत्र के मध्य में मूल्य आधारित खरीदारी और रुपए में आई मजबूती के कारण बाजारों को बल मिला। रुपए ने पिछले 12 वर्षों में अपनी सबसे बड़ी बढ़त दर्ज की। इसके चलते दोनों सूचकांक सकारात्मक स्तर पर बंद हुए। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। बाजार में ये गिरावट अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के ताजा बयान से आई है जिससें उन्होंने कहा है कि अमेरिका अब ईरान के खिलाफ अपने लक्ष्य हासिल करने के करीब है ।

रुपया बढ़त के साथ बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 30 पैसे की बढ़त के साथ ही 93.13 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 93.44 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह अपने सबसे निचले स्तर से उबरते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.19 पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डॉलर के मुकाबले रुपए में तेज गिरावट के बीच बुधवार को अधिकृत डीलरों के लिए कई नए कदमों की घोषणा की जिसके बाद से ही रुपया संभला है।आरबीआई ने निर्देश दिया है कि अधिकृत डीलर यानी विदेशी मुद्रा लेनदेन की अनुमति वाले बैंक अब रुपये से जुड़े नॉन-डिलीवेरेबल डेरिवेटिव (एनडीडी) अनुबंधों की पेशकश निवासी एवं अनिवासी ग्राहकों के लिए नहीं कर सकेंगे।

हालांकि, अधिकृत डीलर बैंकों को डिलीवेरेबल विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव अनुबंध पेश करने की अनुमति जारी रहेगी, जिससे ग्राहकों को जोखिम से बचाव मिल सके।

बाजार में स्मार्टफोन की कीमतें बढ़ी, कुछ मॉडल 30 फीसदी तक हुए महंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के स्मार्टफोन बाजार में रीफर्बिश्ड फोन की हिस्सेदारी बढ़ने की उम्मीद है। वैश्विक अनिश्चितता की वजह से प्रतिकूल व्यापक आर्थिक हालात के बीच नए फोनों की कीमतें बढ़ रही हैं और खर्च के प्रति उपभोक्ता सतर्क हैं। इसके शुरुआती संकेत पहले से ही दिखाई देने लगे हैं। एक रिसर्च ने कहा था कि देश में स्मार्टफोन की बिक्री इस साल के पहले नौ हफ्तों में 9 फीसदी घट गई, क्योंकि पिछले चार से पांच महीने में मेमरी की लागत चार गुना हो गई है। इससे फोन की कीमतें 15 से 20 फीसदी तक बढ़ गई हैं। कुछ मॉडल तो 30 फीसदी तक महंगे हुए हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2026 में डीलरों को भेजी जाने वाली कुल खेपों में साल 2025 की तुलना में 10 फीसदी की गिरावट आ सकती है और इसके 13.9 करोड़ रहने का अनुमान है। साल 2025 में वर्ष 2024 की तुलना में खेपों में कोई खास अंतर नहीं आया। रिपोर्ट के मुताबिक रुपए में कमजोरी और पश्चिम एशिया में संघर्ष से व्यापक आर्थिक दिक्कतें खड़ी हो रही हैं। अगर यह एक महीना या उससे ज्यादा तक जारी रहा तो अनुमानों में और कटौती हो सकती है, क्योंकि मार्च से उपभोक्ताओं की खरीद का मनोबल कमजोर होने लगा है। उन्होंने कहा कि अधिकांश ब्रांडों ने हाल के हफ्तों में कीमतों में वृद्धि का बोझ उपभोक्ताओं पर डाला है। 'हम सुन रहे हैं कि दूसरी तिमाही अधिकांश ब्रांडों के लिए बहुत कठिन अवधि होगी और निकट भविष्य में सुधार के कोई संकेत नहीं हैं।

आईडीसी इंडिया में एसोसिएट उपाध्यक्ष ने कहा कि डीलरों को भेजी जाने वाली स्मार्टफोन की खेप में तेज गिरावट शायद वैश्विक महामारी के बाद दूसरी ऐसी घटना हो सकती है।

महाराष्ट्र में 2 लाख केला उत्पादक किसानों को भारी नुकसान

जलगांव, एजेंसी

महाराष्ट्र के जलगांव जिले में केला उत्पादक किसानों को इस समय भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। देश के दूसरे सबसे बड़े केला उत्पादक क्षेत्र के रूप में पहचान रखने वाले जलगांव में करीब 2 लाख किसान सीधे तौर पर इस खेती से जुड़े हैं। लेकिन निर्यात प्रभावित होने और बाजार में मांग घटने के कारण केले की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है।

जानकारी के अनुसार पहले जो केला 1600 रुपये प्रति क्विंटल तक बिक रहा था, उसकी कीमत घटकर करीब 400 रुपये प्रति क्विंटल रह गई है। यानी किसानों को उनकी उपज का केवल 25 फीसदी दाम ही मिल पा रहा है। उत्पादन लागत, मजदूरी और परिवहन खर्च निकालने के बाद किसानों के लिए लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है।

निर्यात पर असर और परिवहन खर्च में बढ़ोतरी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। कई किसानों का कहना है कि यदि जल्द राहत नहीं मिली तो उन्हें भारी कर्ज का सामना करना पड़ेगा। प्रशासन से उचित समर्थन मूल्य और निर्यात में सहूलियत देने की मांग तेज हो गई है।

एयरलाइन कंपनियां एक-तिहाई रुपया ईंधन पर कर रही खर्च

नई दिल्ली,। पश्चिम एशिया संकट के कारण बुधवार को भारतीय घरेलू एयरलाइनों के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में 8.5 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए पिछले महीने की तुलना में कम वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2015-16 से वित्त वर्ष 2025 तक भारतीय विमानन उद्योग ने 70,515 हजार टन एटीएफ का उपभोग किया है। यह प्रति विमान औसतन 11 हजार टन है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2016 से 2025 के दौरान प्रति विमान एटीएफ की खपत में कमी आई है।

चिंता कई रेस्तरां आउटलेट कारोबार चलाने के नाम पर कम व्यंजन ही परोस रहे

रेस्तरां उद्योग को 79,000 करोड़ तक का हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्यिक तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलिंडरों की आपूर्ति तंग होने के बीच रेस्तरां उद्योग करीब 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान उठा सकते हैं। इसकारण कई रेस्तरां अपने आउटलेट बंद कर रहे हैं या फिर कारोबार चलाने के नाम पर काफी कम व्यंजन ही परोस पा रहे हैं। नैशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा किए गए आंतरिक सर्वेक्षण के अनुसार रेस्तरां उद्योग को प्रति माह 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है, क्योंकि उत्पादन से जुड़ी गतिविधियां 15-20 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। देश भर में 5 लाख से अधिक रेस्तरां का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योग संगठन के अनुसार देश के करीब 10 प्रतिशत रेस्तरां अस्थायी रूप से बंद हुए हैं, जबकि 60-70 प्रतिशत इंडक्शन स्टोव और वैकल्पिक ईंधनों के सहारे चल रहे हैं। रेस्तरांओं में काम कम हो गए हैं और व्यंजनों की सूची छोटी हो गई है। डोमिनोज और पोपयेज का संचालन करने वाली जुबिलेंट फूडवर्क्स ने कहा कि देश भर में व्यावसायिक एलपीजी के वितरण में आपूर्ति संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इसमें कहा गया है,'कंपनी के स्टोर नेटवर्क के कुछ हिस्सों में एलपीजी सिलिंडरों की आपूर्ति बाधित हुई है कंपनी एलपीजी संरक्षण के लिए कई कदम उठा रही है और बिजली और पाइपलाइन प्राकृतिक गैस (पीएनजी) जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ने के लिए अथक प्रयास कर रही है।'

सूत्रों के अनुसार कई बड़ी क्यूएसआर श्रृंखलाएं एक विशेष क्षेत्र में सक्रिय स्टोरों की संख्या कम कर रही हैं। एक रेस्तरां कारोबारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया,'कई रेस्तरां कारोबार 50 प्रतिशत क्षमता पर चल रहे हैं। अगर उनके एक इलाके में तीन स्टोर हैं, तब वे एक को अस्थायी रूप से बंद कर रहे हैं, दूसरे में काम के घंटे कम कर रहे हैं और तीसरा पहले की तरह ही चालू है।' खबरों के अनुसार, बाहर खाना खाने के रुझान में 8-10 प्रतिशत की गिरावट आई है और विकल्प सीमित होने के कारण प्रति ग्राहक औसत खर्च में भी 6-8 प्रतिशत की कमी आई है।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

मध्यप्रदेश शासन

भारत के स्वाभिमान नवजागरण और विकास की यात्रा का उत्सव

महानाट्य
सम्राट विक्रमादित्य

शुभारंभ

3 अप्रैल 2026 । विक्रम सम्वत् 2083, वैशाख कृष्ण पक्ष
सायं 7.00 बजे, बी.एल.डब्ल्यू. मैदान, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

3 से 5 अप्रैल 2026, प्रतिदिन सायं 7.00 बजे

प्रदर्शनियाँ

आर्ष भारत, सम्राट विक्रमादित्य और अयोध्या
शिव पुराण, चौरासी महादेव, श्रीहनुमान एवं मध्यप्रदेश के पवित्र स्थलों की प्रदर्शनी

पूर्वरंग : सायं 6.30 बजे से
मध्यप्रदेश के लोक नृत्य

स्वाद

देशज व्यंजनों का मेला

बाबा महाकाल के अनन्य सेवक

डॉ. मोहन यादव

द्वारा बाबा विश्वनाथ को सादर समर्पित

भारत का समय - पृथ्वी का समय

विक्रमादित्य वैदिक घड़ी

आप आदरपूर्वक आमंत्रित हैं।

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

D-11001/26

आयोजक :
संस्कृति, पर्यटन, जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश शासन
महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, उज्जैन

सहयोग :
जिलाधिकारी वाराणसी
उत्तर प्रदेश सरकार